संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 55
पृष्ठ 8
बुधवार
12 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर में शांति और सुकून के लिए....

विचार- कश्मीर घाटी में जो कुछ भारत ....

खेल- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुल...

दिल्ली धमाके के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

इसकी तह तक जाएंगे, भूटान में बोले पीएम मोदी

थिम्फू, एजेंसी। भूटान के दो दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में हुई कार विस्फोट की घटना पर दुख व्यक्त किया और साथ ही ये भी कहा कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने दिल्ली विस्फोट की घटना को साजिश करार दिया। उन्होंने ये भी कहा कि वे बीती रात जांच एजेंसियों के संपर्क में रहे और धमाके से जुड़ी जानकारी लेते रहे। सोमवार शाम दिल्ली में बम धमाका हुआ और पीएम मोदी तय कार्यक्रम के अनुसार, मंगलवार सुबह भूटान पहुंचे। यहीं उन्होंने दिल्ली विस्फोट की घटना पर बयान दिया। पीएम मोदी ने थिम्फू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि श्आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रातभर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ, सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। सोमवार की शाम दिल्ली में लाल किले के नजदीक एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच में जुटी हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल कर धमाका गया। इससे पहले फरीदाबाद से जांच एजेंसियों ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और करीब तीन क्विंटल अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया था। जांच एजेंसियों को शक है कि दिल्ली विस्फोट के तार भी फरीदाबाद के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

'वंदे मातरम्' का विरोध करने वालों की भारत में जगह नहीं : योगी

लखनऊ, संवाददाता। बाराबंकी के फतेहपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 1734 करोड़ रुपये की 254 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और तथाकथित सेक्युलर नेताओं पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि "जब आजादी का आंदोलन चल रहा था तब 15 राज्यों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम का प्रस्ताव प्रधानमंत्री के लिए भेजा था, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया।" उन्होंने कहा कि "कांग्रेस ने लौह पुरुष को वह सम्मान कभी नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। उन्होंने मंच से वंदे मातरम् का विरोध करने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि "ऐसे लोगों की भारत में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। वे रहते भारत में हैं, खाते भारत का हैं, लेकिन राष्ट्रगीत गाने में उन्हें दिक्कत होती है। अब देश उनकी मानसिकता को समझ चुका है। सीएम योगी ने कहा कि ब्रिटिश शासन भारत को कभी एकजुट नहीं देखना चाहता था, इसलिए उन्होंने "फूट डालो और राज करो" की नीति अपनाई। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश और मुगल, दोनों ने भारत की एकता को तोड़ने का काम किया, और सबसे दुखद विभाजन 14 अगस्त 1947 को हुआ जब भारत की दो भुजाओं को काटकर पाकिस्तान बना दिया गया। योगी ने कहा कि सरदार पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति और सूझबूझ से भारत की 563 रियासतें शांतिपूर्वक भारत में विलय हुईं, वरना देश टुकड़ों में बंट गया होता। उन्होंने बताया कि हैदराबाद का निजाम और जूनागढ़ का नवाब भारत में शामिल नहीं होना चाहते थे, लेकिन पटेल ने साफ कहा कि "बातों से नहीं मानोगे तो दूसरे तरीके भी हैं", जिसके बाद दोनों पाकिस्तान भाग गए। सीएम ने आगे कहा कि महमूदाबाद (पूर्व में मोहम्मदाबाद) का इतिहास भी देश को आंखें खोलने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि "महमूदाबाद का नवाब मुस्लिम लीग का कोषाध्यक्ष था और भारत की संपत्ति को पाकिस्तान के पक्ष में इस्तेमाल कर रहा था।" योगी ने कहा कि सेक्युलरिज्म की आड़ में ऐसे लोगों की सच्चाई छिपाई जाती रही है, अब यह नहीं चलेगा।

● उनको पहचानिए जो योजनाओं का सबसे पहले लाभ लेते हैं और वंदे मातरम का विरोध करते हैं

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी, कहा- न्यायालय देश के नागरिकों के साथ खड़ा है

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने यहां लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के पीड़ितों को मंगलवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शीर्ष अदालत कानून का शासन कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा कि दुख की इस घड़ी में उच्चतम न्यायालय देश के नागरिकों के साथ खड़ा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "उच्चतम न्यायालय कानून के शासन को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे।"

प्रधान न्यायाधीश ने वरिष्ठ अधिवक्ता शरत एस जावली और जगदीश चंद्र गुप्ता को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक 'पूर्ण न्यायालय संदर्भ' (श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित औपचारिक बैठक) में यह टिप्पणी की। जावली और गुप्ता का हाल में निधन हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में जोरदार विस्फोट होने से 12 लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

फरीदाबाद विस्फोटक जब्ती : गिरफ्तार डॉक्टर के परिवार ने आतंकवादियों से संबंध होने से इनकार किया

फरीदाबाद में किराये के कमरे से 360 किलोग्राम विस्फोटक बरामद होने के बाद गिरफ्तार किए गए डॉ. मुजम्मिल गनई के परिवार ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें मुजम्मिल के आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने की कोई जानकारी नहीं थी। मुजम्मिल के भाई आजाद शकील ने पुलवामा स्थित अपने आवास पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "यह आरोप लगाया जा रहा है कि वह बड़ा आतंकवादी है। हमें इसकी कोई जानकारी नहीं है। पिछले पांच दशकों से हमारे परिवार के किसी भी सदस्य के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।" शकील ने कहा कि उनका परिवार खेतीबाड़ी करता है और उन्हें अतीत में राष्ट्रवादी होने के कारण पथराव करने वालों ने निशाना भी बनाया था। उन्होंने कहा, "हम पूरी तरह से भारतीय हैं और हमने भारत के लिए पत्थर झेले हैं। आप गांव में किसी से भी इसकी पुष्टि कर सकते हैं।" अपने भाई के बारे में पूछे जाने पर शकील ने कहा कि वह एक "अच्छा इंसान" था। उन्होंने कहा, "आप उसके बारे में पूछताछ कर सकते हैं। उसके आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं लेकिन हमें अभी तक उससे मिलने की अनुमति नहीं दी गई है।" शकील ने बताया कि उसका भाई अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए घर आने वाला था। शादी रविवार को होनी थी लेकिन अब रद्द कर दी गयी है। शकील ने बताया कि आरोपी डॉक्टर इससे पहले भी कश्मीर आया था जब उसके पिता की सर्जरी हुई थी।

सीडीएस चौहान बोले- भविष्य के हर युद्ध का फैसला अब तकनीक करेगी, भूगोल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि कैसे आधुनिक युद्ध की रणनीति तय करने में सबसे महत्वपूर्ण कारक होने के मामले में तकनीक धीरे-धीरे भूगोल पर हावी हो रही है। जनरल अनिल चौहान ने इस बात पर ज़ोर दिया कि युद्ध के परिणाम रणनीति और रणनीति से तय होते हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में ये कारक मुख्यतः भूगोल से प्रभावित होते थे, लेकिन अब इसमें बदलाव आने लगा है। युद्ध और युद्ध में जीत मूल रूप से रणनीति पर निर्भर करती है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा यदि आप अतीत को देखें, तो रणनीति काफी हद तक भूगोल से ली गई थी, लेकिन धीरे-धीरे, प्रौद्योगिकी का तत्व हावी हो रहा है और भूगोल को पीछे छोड़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने की उच्च स्तरीय बैठक, कहा-

हर दोषी की तलाश कर कड़ी सजा दिलाई जाए

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली में हुए घातक कार विस्फोट की जाँच की समीक्षा की, जिसमें एक दिन पहले बारह लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने अधिकारियों को घटना में शामिल प्रत्येक अपराधी की तलाश करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि धमाके में शामिल हर दोषी की तलाश कर कड़ी सजा दिलाई जाए। शाह ने आश्वस्त किया कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुई इस वारदात में शामिल हर शख्स को एजेंसियां कड़ी सजा दिलाएंगी। एक्स पर एक पोस्ट में, अमित शाह ने लिखा कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली कार विस्फोट पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें इस घटना के पीछे के प्रत्येक अपराधी की तलाश करने का निर्देश दिया। इस कृत्य में शामिल सभी लोगों को हमारी एजेंसियों के कड़े दंड का सामना करना पड़ेगा। बैठक दोपहर 3 बजे गृह मंत्रालय के कर्तव्य भवन स्थित कार्यालय में शुरू हुई। यह बैठक दो घंटे से अधिक के अंतराल के बाद आयोजित की गई। बैठक का पहला दौर सुबह 11 बजे गृह मंत्री के आवास पर हुआ। इसके बाद बैठक में गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते और दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। यह समीक्षा राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं के बीच हुई है क्योंकि कई एजेंसियां लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट 1 और 4 के बीच एक ट्रैफिक सिग्नल के पास शाम 7 बजे एक हुंडई प20 कार में हुए विस्फोट की जांच कर रही हैं। विस्फोट के तुरंत बाद, शाह ने दिल्ली पुलिस आयुक्त और खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात की थी और एनआईए, एनएसजी, एफएसएल और दिल्ली पुलिस को शामिल करते हुए एक समन्वित, बहु-एजेंसी जांच का निर्देश दिया था। सभी एजेंसियों को विस्फोट की प्रकृति और कारण की व्यापक जांच करने और जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। पहले दौर की बैठकों के समापन के बाद, गृह मंत्रालय ने इसे एक संभावित आतंकवादी कृत्य मानते हुए मामले की जाँच एनआईए को सौंप दी। यह निर्णय विस्फोट की प्रकृति और उससे जुड़े संबंधों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है।

निठारी हत्याकांड में आरोपी सुरेंद्र कोली बरी

नई दिल्ली, एजेंसी। 2006 के निठारी सीरियल हत्याकांड मामले में एक अहम घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुरेंद्र कोली को बरी कर दिया और उसकी दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने निर्देश दिया कि अगर कोली किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है, तो उसे तुरंत रिहा किया जाए। आदेश सुनाते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने कहा कि कोली को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। अदालत ने कहा कि सुधारात्मक याचिका स्वीकार की जाती है। याचिकाकर्ता को आरोपों से बरी किया जाता है। याचिकाकर्ता को तत्काल रिहा किया जाए। इसके साथ ही निठारी मामले में कोली की 19 साल लंबी कानूनी लड़ाई का अंत हो गया। सर्वोच्च न्यायालय ने कोली की क्यूरेटिव पिटीशन को स्वीकार कर लिया, जिसमें 2011 के सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी गई थी जिसमें निठारी कांड के एक मामले में उसकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था।

दिल्ली कार विस्फोट पर राजनाथ सिंह बोले, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि इस "दुखद घटना" के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में शदिल्ली रक्षा संवादश में बोलते हुए, सिंह ने सोमवार को हुए विस्फोट के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की, जिसमें 12 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। रक्षा मंत्री ने कहा कि सबसे पहले, मैं कल दिल्ली में हुई दुखद घटना में मारे गए सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकार हमले की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैं अपने देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, "देश की प्रमुख जाँच एजेंसियाँ गहन जाँच कर रही हैं।" रक्षा मंत्री ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि जाँच के निष्कर्ष जल्द ही सार्वजनिक किए जाएँगे। सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि ज़िम्मेदार लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। रक्षा मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दिल्ली कार विस्फोट की जाँच में कई केंद्रीय एजेंसियाँ दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रही हैं। जाँच घ्जारी रहने के साथ, पुलिस सीसीटीवी फुटेज और डेटा विश्लेषण को महत्वपूर्ण सुराग के तौर पर देख रही है। जाँचकर्ताओं ने संदिग्ध वाहन की गतिविधियों का पता लगा लिया है और अब विस्फोट से पहले और बाद में स्थापित संभावित संचार संपर्कों की जाँच कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में विस्फोट से कुछ देर पहले संदिग्ध कार लाल किला पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करती और बाहर निकलती दिखाई दे रही है। फुटेज में चालक अकेला दिखाई दे रहा है।

दिल्ली धमाके पर कांग्रेस हमलावर, अजय राय बोले-

पुलवामा-पहलगाम जैसी निष्क्रियता, अमित शाह तुरंत इस्तीफा दें

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिल्ली बम धमाकों के लिए ज़िम्मेदार ठहराया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई थी और उनके इस्तीफे की माँग की। राय ने एएनआई से कहा कि इस घटना की ज़िम्मेदारी कौन लेगा? अमित शाह इसके लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार हैं। उन्हें तुरंत इस्तीफ़ा देकर घर चले जाना चाहिए। यह सरकार की नाकामी है। गृह मंत्री कल चुनावों में व्यस्त थे। कांग्रेस नेता ने पुलवामा और पहलगाम सहित पिछले आतंकवादी हमलों में केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर भी निशाना साधा। राय ने कहा कि वे दावा करते हैं कि कोई घुसपैठिया घुस नहीं रहा है, तो फिर घटनाएँ कैसे हो रही हैं। कुछ दिन पहले, पहलगाम में हमारे बच्चों की हत्या कर दी गई। वे देख रहे हैं कि क्या हुआ, फिर भी वे कहते रहते हैं कि वे सब कुछ ठीक कर देंगे। इससे पहले, 2019 के चुनावों से ठीक पहले पुलवामा में भी यही घटना हुई थी। इसकी कोई जाँच नहीं हुई। पूरा देश तनाव में है; कई निर्दोष लोग मारे गए हैं। मध्य दिल्ली में लाल किले के पास एक धीमी गति से चल रही हुंडई i20 कार में एक उच्च-तीव्रता वाला विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम आठ लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट शाम लगभग 7 बजे सुभाष मार्ग ट्रैफ़िक सिग्नल पर हुआ, जिससे आस-पास के वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और देशव्यापी अलर्ट जारी कर दिया गया। दिल्ली पुलिस ने कोतवाली थाने में गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। कई एजेंसियाँ विस्फोट के कारण और मकसद का पता लगाने के लिए जाँच कर रही हैं।

प्रयागराज में बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के शंकरगढ़ इलाके में मंगलवार दोपहर राष्ट्रीय राजमार्ग–35 पर कपारी मोड़ के पास एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में उसकी पत्नी और दस वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब प्रयागराज की ओर जा रही बाइक को सामने से आ रही रोडवेज

बस ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत घायल महिला और बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शंकरगढ़ पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर हालत में प्रयागराज स्थित एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक की पहचान रीवा (मध्य प्रदेश) के फुटौंदा थाना जनेह निवासी प्रदीप द्विवेदी उर्फ कल्लू (34 वर्ष) पुत्र माता प्रसाद द्विवेदी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, प्रदीप अपनी पत्नी रंजना द्विवेदी और बेटे पवित्र द्विवेदी (10 वर्ष) के साथ इलाज के लिए प्रयागराज जा रहे थे। वे जैसे ही कपारी मोड़ से राष्ट्रीय राजमार्ग 35 पर पहुंचे, प्रयागराज से बांदा जा रही रोडवेज बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से प्रदीप सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी और बेटा सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े रहे। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी। शंकरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद रोडवेज बस चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कपारी मोड़ पर पहले भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं। इस दुर्घटना के बाद लोगों ने प्रशासन से वहां स्पीड ब्रेकर और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है।

MNNIT इलाहाबाद के फैकल्टी सदस्य ने लगाया गंभीर आरोप

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) इलाहाबाद के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत फैकल्टी सदस्य डॉ. वेंकटेश नायक ने संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों और कुछ फैकल्टी सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक्स पर दो मिनट का वीडियो पोस्ट कर कहा कि उन्हें और उनके एसटी कैटेगरी से आने वाले भाई को एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर प्रमोशन से रोकने के लिए एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया। डॉ. नायक का आरोप है कि षड्यंत्र के तहत उन्हें गैर–वाजिब तरीके से निलंबित किया गया और उनके दस्तावेजों के साथ जालसाजी की गई। डॉ. नायक ने संस्थान के डायरेक्टर एम.एम. गोरे, प्रो. आर. एस. वर्मा, और रजिस्ट्रार अंबकराय पर सीधा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इन अधिकारियों ने मिलकर उनके कागजात को बैकडेटेड बनवाया और उनमें जालसाजी की। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर उच्चाधिकारियों से न्याय की मांग की है और कहा कि दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। संस्थान के कुल सचिव डॉ. अंबक कुमार राय ने स्पष्ट किया है कि संस्थान पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार एवं तथ्यों से परे हैं। संस्थान इन आरोपों का कड़े शब्दों में खंडन करता है। हमने सदैव नियमों व पारदर्शिता का पालन करते हुए अपने कार्यों का निष्पादन किया है। संस्थान की प्रतिष्ठा को आहत करने वाले किसी भी भ्रामक प्रचार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित तथ्यों की जांच हेतु आवश्यक कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं। संस्थान अपने दायित्वों एवं मूल्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सिर तन से जुदा..का नारा लगाने वालों की याचिका खारिज

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बरेली में जुलूस निकालने के दौरान सिर तन से जुदा का नारा लगाने के आरोपियों को राहत देने से इन्कार कर दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने गौहर खान और शाकिब जमाल की इस मामले में गिरफ्तारी पर रोक लगाने और प्राथमिकी रद्द करने की मांग में दाखिल याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट एवं न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने दिया है। मामले के तथ्यों के अनुसार कानपुर में आई लव मोहम्मद मामले को लेकर की गई कार्रवाई के विरोध में 26 सितंबर को आईएमसी के मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर बरेली के इस्लामिया कॉलेज ग्राउंड पर प्रदर्शन करने के लिए जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल लोग सर तन से जुदा जैसे आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोका तो भीड़ हमलावर हो गई और पुलिसकर्मियों से मारपीट की गई। घटना को लेकर पुलिस ने 52 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। याचियों के वकील का कहना था कि याची घटना में शामिल नहीं थे। उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है। याचिका का विरोध करते हुए अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम परितोष कुमार मालवीय ने कहा कि याचियों पर गंभीर आरोप हैं। उन्होंने न सिर्फ पुलिस पर हमला किया बल्कि शांति भंग करने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि प्रथमदृष्टया आरोप गंभीर हैं और इसमें विवेचना की जरूरत है। साथ ही प्राथमिकी रद्द करने का कोई आधार नहीं है।

प्रयागराज में डॉक्टर की कार से 2 महिलाओं को रौंदा, एक की मौत

तेज रफ्तार ब्रेजा पलटी, भागे ड्राइवर को पकड़ा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में फिर तेज कार ने सड़क किनारे जा रहीं 2 महिलाओं को रौंद दिया। इसी बीच कार बीच सड़क पलट गई। हादसे में एक 50 साल की महिला विमला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला घायल है। जबकि मौका पाकर ड्राइवर भाग गया।

करेली एसीपी राजकुमार मीना ने बताया– घटना के वक्त कार डॉक्टर जुबैर का ड्राइवर चला रहा था। आरोपी ड्राइवर को ट्रेस करने के बाद हिरासत में लिया गया है। मृतका के परिवार वाले आ गए हैं और उनसे तहरीर लेकर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विमला देवी पूरवा करेली में रहती थी। उनके पति की भी मौत हो चुकी है। उनके दो बेटियां हैं। वह जीटीबी नगर में लोगों के घरों में काम करती थीं। विमला मंगलवार सुबह करीब 10 बजे काम पर जा रही थीं। उसी समय डॉ. जुबैर का ड्राइवर भी घर का सामान लेने के लिए नीचे उतरा। उसने घर

डॉ. जुबैर, कार मालिक

के बाहर खड़ी कार को स्टार्ट करने के लिए चाबी लगाई और अचानक से पैर पर एक्सीलेटर रख दिया। इसके बाद अचानक से कार आगे बढ़ गई और सामने से आ रही दो महिलाओं को रौंदते हुए पलट गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची करेली थाना पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, हादसे में शामिल ग्रैंड विटारा कार डॉ. जुबैर अहमद नाम पर रजिस्टर्ड है, जो करेली इलाके के ही रहने वाले हैं। डॉ. जुबैर काल्विन हॉस्पिटल में फिजिशियन हैं।

डॉक्टर जुबैर ने पुलिस को बताया– गाड़ी ऑटोमैटिक थी। उन्होंने आशंका जताई है कि ड्राइवर इसे समझ नहीं पाया और गाड़ी स्टार्ट करते ही उसने एक्सीलेटर पर पैर दिया होगा। जिस वजह से हादसा हुआ होगा।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में राजधानी दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। संभावित सुरक्षा खतरे को देखते हुए हाईकोर्ट परिसर और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं। मंगलवार सुबह से ही हाईकोर्ट के सभी प्रवेश द्वारों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है और हर आने–जाने वाले व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है। इसी को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट पर पुलिस, सीआरपीएफ और बम निरोधक दस्ते (बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वॉड) की टीमों ने संयुक्त रूप से सुरक्षा जांच अभियान चलाया गया। हाईकोर्ट के मुख्य और सहायक

गेटों पर लगने वाली लंबी कतारों में प्रत्येक व्यक्ति की जांच की जा रही है। वकील, कर्मचारी और वादकारी सभी की एंट्री केवल पहचान पत्र या पास दिखाने के बाद ही दी जा रही है। सुरक्षा कर्मियों ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग भी तेज कर दी है। हाईकोर्ट परिसर के बाहर खड़ी सभी गाड़ियों की भी बारीकी से जांच की जा रही है। बम निरोधक दस्ते ने पार्किंग क्षेत्र और गेटों के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या अनहोनी की स्थिति से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई बल (QRT) को भी तैयार रखा गया है। सीआरपीएफ के जवानों ने पूरे परिसर में गश्त बढ़ा दी है और मुख्य प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर से जांच की जा रही है। वहीं, पुलिस अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं ताकि किसी भी स्थिति में सुरक्षा चूक न हो। सुरक्षा के इन कड़े प्रबंधों के कारण हाईकोर्ट आने–जाने वाले लोगों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ा, लेकिन सभी ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए पुलिस की इस मुहिम का समर्थन किया। प्रशासन ने साफ कहा है कि जब तक स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाती, तब तक हाईकोर्ट में सुरक्षा का यह कड़ा पहरा जारी रहेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस अतुल श्रीधरन ने ली शपथ

प्रयागराज (संवाददाता)। जस्टिस अतुल श्रीधरन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में नए न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह समारोह सुबह 10 बजे मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट रूम में संपन्न हुआ। जस्टिस श्रीधरन का स्थानांतरण मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी के बाद भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय ने 18 अक्टूबर 2025 को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। उनकी नियुक्ति को न्यायिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शपथ ग्रहण के दौरान मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने जस्टिस श्रीधरन का स्वागत करते हुए कहा कि उनके अनुभव और कार्यकुशलता से इलाहाबाद हाईकोर्ट को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी। जस्टिस अतुल श्रीधरन के शामिल होने से न्यायिक कार्यों के निस्तारण में तेजी आने की उम्मीद है। शपथ के बाद जस्टिस श्रीधरन ने कहा कि वह न्याय के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और आम जनता को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने के लिए समर्पित रहेंगे। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा बनने को अपने लिए सम्मान की बात बताया। इस अवसर पर हाईकोर्ट के सभी न्यायमूर्ति, रजिस्ट्रार जनरल, वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी, बड़ी संख्या में अधिवक्ता, बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि और न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। समारोह अत्यंत गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ।

नींद की 29 गोलियां खाकर महिला मैनेजर का सुसाइड अटेंप्ट

बोलीं– 12 लाख के गहने चोरी हुए, थाना इंचार्ज और दरोगा ने टॉर्चर किया।

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एक निजी फाइनेंस कंपनी की महिला ब्रांच मैनेजर ने पुलिस पर टॉर्चर का आरोप लगाते हुए सुसाइड की कोशिश की। उसने एक साथ नींद की 29 गोलियां खा ली। अब महिला की हालत गंभीर है। र्प में इलाज चल रहा है।

सुसाइड की कोशिश से पहले महिला ने वीडियो बनाया, 1 पेज का नोट लिखा। इसमें आरोप लगाया कि 12 लाख की सारी ज्वेलरी चोरी होने के 5 दिन बाद पुलिस ने र्थ्प किया। अश्विनी सर (फाफामऊ थाना इंचार्ज) और प्रमोद सर (सब इंस्पेक्टर) ने मुझे टॉर्चर किया। जिससे परेशान होकर मैं जान दे रही हूं। मम्मी–पापा मेरे लिए परेशान मत होना।

पीड़ित अभ्या पांडेय गोरखपुर में बरगदवा की रहने वाली हैं। गोरखपुर में ही इनकी शादी हुई है। पति प्राइवेट जॉब करते हैं। अभ्या दो साल से प्रयागराज के फाफामऊ में रहकर अरोहन फाइनेंस कंपनी में सीनियर ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

अभ्या पांडेय ने नींद की गोलियां खाने से पहले एक वीडियो भी बनाया है। वीडियो में अभ्या ने कहा– पूरा फाफामऊ थाना जानता है कि मेरी ज्वेलरी किसने चुराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। अश्विनी सर (फाफामऊ थाना इंचार्ज) और प्रमोद सर (सब इंस्पेक्टर) ने मुझे टॉर्चर किया। डेढ़ महीने से मुझे सिर्फ गोल–गोल घुमाया जा रहा है। लगातार कॉल करने के बावजूद पुलिस सिर्फ टालमटोल कर रही, जिससे परेशान होकर मैं जान दे रही हूं।

मैं जानती हूं कि मैं जो कदम उठाने जा रही हूं, वह कायरता वाला है। लेकिन क्या करूं, आप ही लोग बताइए। मैं क्या करती, मेरी सारी ज्वेलरी चोरी हो गई। लेकिन, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। र्थ्प होने में ही सात दिन लग गए। FIR होने के बाद भी एक भी कार्रवाई नहीं हुई। अगर पीड़ित के साथ पुलिस ऐसे करेगी तो जनता का भरोसा कैसे रहेगा?

पुलिस तो जनता की सेवा करने के लिए होती है, न कि जनता को परेशान करने के लिए। मैं अभ्या पांडेय अपनी लाइफ से थक गई हूं। और इसी वजह से अपने आप को खत्म करने का फैसला कर रही हूं। क्योंकि मैं इस बोझ के साथ नहीं जी पा रही हूं कि मेरी सारी ज्वेलरी चोरी हो गई। लेकिन, मैं पुलिस प्रशासन से बस यही उम्मीद करती हूं कि मेरे ना रहने पर ज्वेलरी चोर को ढूंढकर मेरे भाई के सामने लाया जाए, यही मेरी आखिरी इच्छा है। मम्मी–पापा मेरे लिए परेशान मत होना। मुस्कान और ज्योति में मुझे ढूंढ लेना। लल्ला को कहना कि उसकी मां कायर नहीं थी।

अभ्या पांडेय ने 27 सितंबर को फाफामऊ थाने में ज्वेलरी चोरी की FIR दर्ज कराई थी। FIR के अनुसार, वह 19 सितंबर 2025 को लखनऊ गई थीं। 22 सितंबर को लौटने पर उन्होंने देखा कि उनके कमरे का ताला टूटा हुआ है। कमरे का सारा सामान सही–सलामत था, लेकिन सारी सोने की ज्वेलरी गायब थी।

प्रिंसिपल ने दुबई कॉन्फ्रेंस के अनुभव साझा किए

प्रयागराज (संवाददाता)। टीपीएस प्रिंसिपल अर्चना तिवारी ने दुबई में आयोजित सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्सस की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस से लौटने के बाद अपने अनुभव साझा किए हैं। यह दो दिवसीय सीबीएसई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस श्रीइमर्जिंग एजुकेशन इन लाइट ऑफ एनईपी 2025ष 4 और 5 नवंबर को आयोजित की गई थी। इस कॉन्फ्रेंस में भारत से लगभग 400–500 प्रिंसिपलों और शिक्षकों सहित कुल 850 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रयागराज से प्रिंसिपल अर्चना तिवारी के साथ महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर की अल्पना डे, पतंजलि ऋषिकुल के नित्यानंद और गंगा गुरुकुलम की माधुरी श्रीवास्तव भी शामिल थीं। कॉन्फ्रेंस में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम, समग्र रिपोर्ट कार्ड, संबद्धता सुधार, कौशल विकास और स्टेम शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। प्रिंसिपलों को ओपन हाउस सेशन में सीबीएसई अधिकारियों से सीधे सवाल पूछने का अवसर भी मिला। शिक्षकों ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस से उन्हें डिजिटल दुनिया में बच्चों को जिम्मेदार और इनोवेटिव बनाने की नई दिशा मिली है।

हजारों करोड़ की ठगी के वांटेड पर एक और मुकदमा

प्रयागराज (संवाददाता)। देश भर में हजारों करोड़ की ठगी कर विदेश भाग चुके शाइन सिटी कंपनी के डायरेक्टर राशिद नसीम पर प्रयागराज में एक और केस दर्ज हुआ है। सिविल लाइंस निवासी जीप इंडिया के डीलर विकास अग्रवाल का आरोप है कि उनसे 18 कार लेकर 50 लाख की ठगी की गई। कोर्ट के आदेश पर थाना सिविल लाइंस में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। विकास ने पुलिस को बताया, वह मेसर्स एलडीईई मोटर्स प्रा.लि. के मालिक हैं। 2013 में राशिद नसीम ने

मेसर्स शान ज्वाइन प्रा.लि. के नाम से कंपनी बनाई थी, जिसका मेन ऑफिस लखनऊ और ब्रांच प्रयागराज में थी। राशिद नसीम ने उनके शोरूम से जीप कंपनी के 18 वाहनों की खरीद की थी। कुल कीमत का कुछ हिस्सा चुकाने के बाद आरोपी ने 50 लाख रुपये का भुगतान बाद में करने का वादा किया और इसके लिए 10–10 लाख रुपये के पांच चेक कोटेक महिंद्रा बैंक, गोमतीनगर लखनऊ से जारी किए। जब उन्होंने ये चेक बैंक में जमा किए, तो सभी चेक अपर्याप्त धनराशि के कारण बाउंस हो गए। उन्होंने कई बार राशिद नसीम और उसके एजेंटों अमित सिंह (वाराणसी), मिथिलेश कुमार वर्मा (रांची) और शिवाजी संध्यान (भोपाल) से कॉन्टैक्ट किया, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिला।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद प्रयागराज जंक्शन पर तलाशी

RPF-GRP ने ट्रेनों, बम डिस्पोजल डॉग और स्क्वॉड भी तैनात

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद पूरे देश में रेलवे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इसी क्रम में प्रयागराज जंक्शन पर रविवार देर रात से ही जीआरपी और आरपीएफ की टीमों ने संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया। प्रयागराज रेलवे स्टेशन को संवेदनशील श्रेणी में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक–चौबंद कर दिया गया है।

अभियान का नेतृत्व जीआरपी इंस्पेक्टर अकलेश सिंह और आरपीएफ प्रभारी अमित कुमार मीणा ने किया। दोनों अधिकारियों के निर्देशन में स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया और पार्किंग जोन में सुरक्षा जांच अभियान चलाया गया। यात्रियों के लगेज, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर और ट्रेनों के कोचों की बारीकी से तलाशी ली गई।

वंदे भारत एक्सप्रेस सहित प्रयागराज होकर गुजरने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों में जीआरपी, आरपीएफ और सीआईबी (क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच) की टीमों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान यात्रियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और किसी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। सुरक्षा अभियान में बम डिस्पोजल स्क्वॉड (BDS) की टीम ने प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल और ट्रेनों के अंदर सुरक्षा उपकरणों की मदद से विस्तृत जांच की। वहीं, एस–चेक टीम ने स्टेशन के हर कोने, पार्किंग क्षेत्र और टिकट हॉल में संदिग्ध वस्तुओं की खोज की।

डॉग स्क्वायड की टीम ने लगेज और कोचों की गंध पहचान तकनीक से तलाशी ली। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने स्टेशन परिसर में एरिया डोमिनेशन और विजिबल पेट्रोलिंग बढ़ा दी है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

जीआरपी इंस्पेक्टर अकलेश सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई सुरक्षा की दृष्टि से एहतियाती कदम है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और स्टेशन पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से भी नजर रखी जा रही है।

आरपीएफ प्रभारी अमित कुमार मीणा ने कहा कि सुरक्षा जांच आगे भी जारी रहेगी, और किसी भी संदिग्ध स्थिति पर तुरंत अलर्ट जारी किया जाएगा। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु को न छुएं, बल्कि तुरंत पुलिस को सूचना दें।

राष्ट्रऋषि दत्तोपंत के जन्मदिवस के उपलक्ष में स्वदेशी संकल्प दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रयागराज। प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 10 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह एवं स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ जैसे अनेक राष्ट्रवादी संगठनों के शिल्पकार, राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के 105वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में"स्वदेशी संकल्प दिवस" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉव अखिलेश कुमार सिंह द्वारा की गई।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि "दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने भारतीय चिंतन, श्रम एवं अर्थव्यवस्था को स्वदेशी दृष्टिकोण से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत की वैचारिक नींव रखी। आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में उनके विचार न केवल प्रासंगिक हैं, बल्कि भारत के विकास का पथ–प्रदर्शन करने में सहायक हैं।" उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रभाव, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी चेतना का संचार करते हैं।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो० आशुतोष कुमार सिंह, निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने कहा कि "स्वदेशी केवल आर्थिक विचार नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है, जो हमें आत्मनिर्भरता के साथ–साथ नैतिकता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रेरित करता है। दत्तोपंत ठेंगड़ी जी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।"

कार्यक्रम की रूपरेखा गंगेश नारायण जी, प्रांत सह समन्वयक, काशी प्रांत ने प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि दृ "स्वदेशी संकल्प दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि एक विचार यात्रा है, जो हमें आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सोचने और कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसे आयोजन छात्रों में राष्ट्रभाव, नवाचार और स्वदेशी चेतना का विकास करते हैं।"

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री मनोज कुमार जी, क्षेत्र संपर्क प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में कहा कि "दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने मजदूर, किसान और व्यापारी तीनों वर्गों के बीच एक समन्वित दृष्टि प्रस्तुत की। स्वदेशी का अर्थ केवल देश में बनी वस्तुओं का उपयोग नहीं, बल्कि अपने विचारों, श्रम और संसाधनों पर विश्वास करना है। जब भारत अपनी जड़ों से जुड़ेगा, तभी सशक्त और आत्मनिर्भर बनेगा।"

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विनय कुमार टंडन, अध्यक्ष, ईस्टर्न यूपी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, प्रयागराज ने कहा कि "वर्तमान समय में उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में स्वदेशी का महत्व और भी बढ़ गया है। स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने से न केवल रोजगार सृजन होगा, बल्कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था में सशक्त स्थान प्राप्त करेगा। विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों में नवाचार और उद्यमिता की भावना विकसित करें।"

विशिष्ट अतिथि श्री राजीव नायर, काउंसिल मेंबर, ईस्टर्न यूपी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, प्रयागराज ने अपने वक्तव्य में कहा कि "स्वदेशी आंदोलन केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। आज के युवाओं को ठेंगड़ी जी की सोच को अपनाकर तकनीक और नवाचार के माध्यम से देश की सेवा करनी चाहिए।"

कार्यक्रम में डॉव हिमांशु मौर्य , व्याख्याता, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा मंगल जी , जिला प्रचारक की विशिष्ट उपस्थिति रही, जिन्होंने ठेंगड़ी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए तथा सभी प्रतिभागियों को स्वदेशी संकल्प के पालन हेतु प्रेरित किया।

डॉ० प्रदीप त्रिपाठी, सहायक आचार्य, व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का परिचय दिया । स्वदेशी संकल्प अंकित कुमार जी, पूर्णकालिक स्वदेशी जागरण मंच द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवानी सिंह, शोधार्थी, हिन्दी विभाग द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉव अलका मिश्रा, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग द्वारा बड़े सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायक शब्दों में प्रस्तुत किया गया ।

कार्यक्रम में कई संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष,शिक्षकगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की सहभागिता रही।

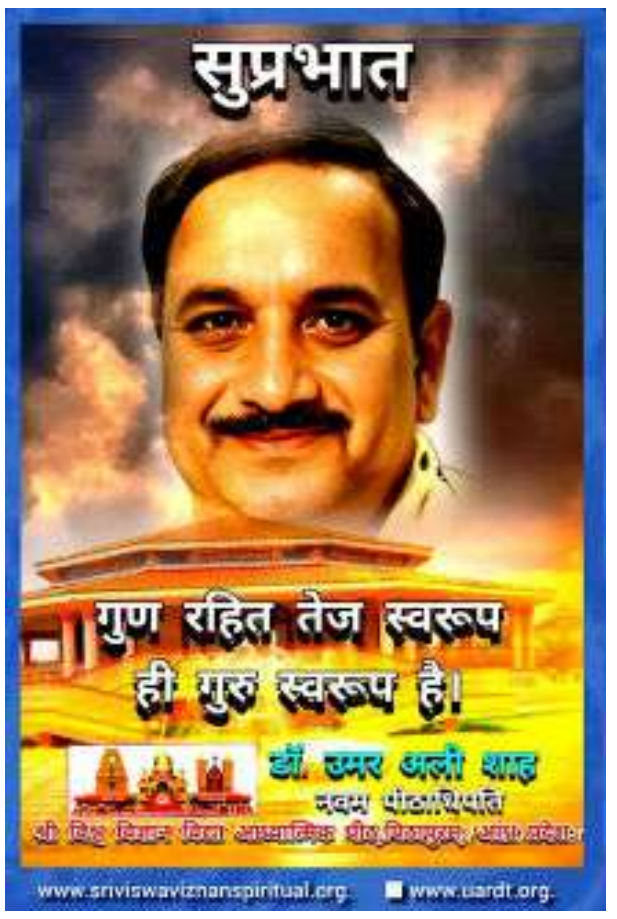

गेंदे का संसार

गुच्छा है जो फूल का, मगर एक है फूल।
कहते हैं गेंदा उसे, हरि–सा रखे उसूल।
हरि–सा रखे उसूल, सूर्य का साथी बनकर।
खिलकर करें सबेर, पंखुरी खुशबू भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप,दवा बन करके रक्षा।
देता है संदेश, रहो बस बनकर गुच्छा।।

अद्भुत लगता है बहुत, गेंदे का संसार।
जहाँ महकते पात भी, हैं खुशबू आधार।
हैं खुशबू आधार, दवायें जिससे बनती।
हरा हरा परिधान, पहन कर सदा ठुमकती।
सुन लो कहें प्रदीप,सुबह खद्दु को कर प्रस्तुत।
लिखें फूल वह गीत,लगे जो हरदम अद्भुत।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भारतीय दर्शन में स्थूल और सूक्ष्म विचार पर बल

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं प्रो. अनिता स्वामी शोध संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में आनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। भारतीय दर्शन परम्परा सिद्धांत और व्यवहार विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के संस्कृत आचार्य प्रो. रामनाथ झा ने की। शोधछात्र अनन्त जी मिश्र के वैदिक मंगलाचरण के बाद संयोजक संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने वाचिक स्वागत भाषण कर अतिथियों का अभिनंदन किया। संस्कृत प्रवक्ता डॉ. प्रिया झा ने विषय प्रवर्तन किया। संगोष्ठी के अध्यक्ष प्रो. रामनाथ झा ने कहा कि भारतीय दर्शन स्थूल तथा सूक्ष्म विचार पर आधारित है। स्थूल दर्शन में भेद दिखता है जबकि सूक्ष्म दर्शन अभेदवादी है। ज्ञान व्यवहारमूलक होना चाहिए। भारतीय दर्शन ज्ञान और व्यवहार में एकरुपता का आकांक्षी है। साउथ कोरिया से आनलाइन जुड़ी प्राध्यापिका डॉ. वन्दना उपाध्याय ने कहा कि दर्शन आत्मसाक्षात्कार के साथ साथ आध्यात्मिक दृष्टि को प्रतिबिम्बित करता है। सारस्वत वक्ता गोरखपुर विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय दर्शन में ज्ञान का भी ज्ञान है। अध्ययन, बोध, आचरण और प्रसारण इसके व्यावहारिक आयाम हैं। वक्ता श्री विनोद स्वामी ने कहा कि भारतीय दर्शन में सनातन संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों का दिग्दर्शन है। संस्कृत प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने संगोष्ठी का संचालन किया। प्रो. विनोद गुप्त, डॉ. ठाकुर शिव लोचन सिंह शाण्डिल्य, डॉ. घनश्याम मिश्र ने विभिन्न सत्रों की संयुक्त रुप से अध्यक्षता की। देश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े लगभग पचास विद्वानों, प्राध्यापकों, शोधच्छात्रों ने संगोष्ठी में शोधपरक स्वकीय व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्कृत प्रवक्ता डॉ. पूजा सिंह ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

रज्जू भय्या विवि में योग विज्ञान की स्थापना

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्विद्यालय, प्रयागराज के समाज कार्य विभाग, में पी.जी. डिप्लोमा इन योग साइंस की शुरुआत इस सत्र से हो गई है तथा योग चिकित्सा केंद्र,योग ओपीडी, योग चिकित्सा, योग योग वेलनेस केंद्र, महर्षि पतंजलि योग क्लब विद्यार्थी की शुरुआत प्रयागराज के सभी नागरिको के लिए आज से गई है। जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह जी द्वारा आज किया गया।

पी जी डिप्लोमा इन योग विज्ञान कोर्स का उद्देश्य योग में उत्कृष्ट योग शिक्षक तैयार करना जो आगे चलकर उत्तर प्रदेश, देश एवं संसार को एक नई दिशा दे सके एवं स्वस्थ रहने में भी सहायक हो। योग ओपीडी, योग चिकित्सा, योग चिकित्सा केंद्र, महर्षि पतंजलि योग क्लब के उद्घाटन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश एवं प्रयागराज सभी जनता को स्वस्थ रहने में मदद करना है एवं भारतीय ज्ञान योग विज्ञान को जन जन पहुंचाना है तथा भारतीय ज्ञान विभाग के रूप में योग को पूरे विश्व में स्थापित

किए जाने का एक प्रयास है एवं हर भारतीय का परम कर्तव्य है कि अपने ज्ञान विज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाएं। इस उद्घाटन अवसर पर योग विज्ञान एक शिविर एवं योग चिंतन का शुभारंभ स्वस्थ समाज की दिशा में एक सशक्त कदम है। राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, नैनी, प्रयागराज में आज 'योग विज्ञान एवं योग चिंतनशाला' की स्थापना का शुभारंभ अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह जी, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कला संकाय डॉ. विवेक कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त की उपस्थिति में यह ऐतिहासिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित योग गुरु एवं सहायक प्रोफेसर योग विज्ञान श्री मुकेश द्विवेदी जी के सौजन्य से आयोजित किया गया। उन्होंने योग के गूढ़ महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि यह एक जीवन दर्शन है। श्री द्विवेदी जी ने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि आसनों, प्राणायाम, ध्यान, योग निद्रा एवं सूर्य नमस्कार के माध्यम से मनुष्य के संपूर्ण स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन को बनाए रखने के उपाय भी सिखाए।कार्यक्रम के अंत में माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय में इस नई चिंतनशाला की स्थापना को "स्वस्थ भारत, सशक्त भारत" विकसित भारत की दिशा में एक प्रेरक पहल बताया। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय अब योग को केवल विषय के रूप में नहीं, बल्कि जीवन मूल्य के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प ले रहा है। इस अवसर पर छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किए और योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन में सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और आत्मिक भाव का प्रभाव दिखा। इस अवसर पर विवि के प्राध्यापक, छात्र, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दिल्ली ब्लास्ट हमले पर शुरु हुई सियासत, कांग्रेस ने अमित शाह पर साधा निशाना, कहा, इस्तीफा दो और घर जाओ

लखनऊ, संवाददाता। बीते दिन राजधानी में हुए हमले ने अब सियासी तूल पकड़ लिया है। राजनीतिक पार्टियों द्वारा इस हमले को मुद्दा बनाकर इस पर सियासत शुरु कर दी गई है। इसी बीच कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा है। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वो तो कहते हैं कि कोई घुसपैठिया नहीं घुस रहा तो ये घटनाएं कैसे हो रही हैं। कुछ दिन पहले पहलगाम में हमारे बच्चों की हत्या कर दी गई। वो देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। फिर भी कहते रहते हैं कि वो सब ठीक कर देंगे। इससे पहले 2019 के चुनावों से ठीक पहले पुलवामा में घटना हुई थी। इसकी हमले की भी कोई जांच नहीं हुई। पूरा देश तनाव में है, कई निर्दोष लोग मारे गए हैं। अब इस घटना की जिम्मेदारी कौन लेगा? इसके लिए सीधे तौर पर अमित शाह जिम्मेदार हैं। उन्हें तुरंत इस्तीफा देकर घर जाना चाहिए। ये सीधे तौर पर सरकार की विफलता है, गृहमंत्री कल भी चुनावों में व्यस्त थे। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी इस घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि कल सुबह ही फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था, काश उस समय सरकार को सावधानी बरतनी चाहिए थे। वो तो जम्मू कश्मीर की पुलिस ने यहां आकर इसे बरामद किया है। ये घटना बेहद दुखद हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने दी सड़क सुरक्षा की सीख, स्कूल में 6 से 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए कार्यशाला

लखनऊ, संवाददाता। कुंस्कैप्सकोलन स्कूल, लखनऊ में यातायात माह के अवसर पर मंगलवार को कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से आयोजित हुई, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें सुरक्षित सड़क व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक राधारमण सिंह, ट्रैफिक इंस्पेक्टर शैलेश पांडेय, ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क के सेफ्टी मैनेजर पंकज शर्मा तथा मारुति सुजुकी, लखनऊ के रोड सेफ्टी को–ऑर्डिनेटर सैयद एहतशाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने छात्रों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं और बताया कि सड़क पर चलने के दौरान अपनाई गई छोटी–छोटी सावधानियां बड़े हादसों को रोक सकती हैं। एसीपी ट्रैफिक राधारमण सिंह ने ट्रैफिक संकेतों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने, सड़क पार करते समय सही नियमों का पालन करने तथा मोबाइल फोन जैसी विचलित करने वाली चीजों से दूरी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को समझाया कि ट्रैफिक नियम न केवल कानून का पालन है, बल्कि जीवन सुरक्षा का आधार भी हैं। कार्यशाला का सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक, रोचक और संवादात्मक रहा। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कई प्रश्न पूछे और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानने की जिज्ञासा दिखाई। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने लखनऊ ट्रैफिक पुलिस एवं ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क की पूरी टीम को उनके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी ऐसे उपयोगी कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

सहारा सिटी की 245 एकड़ जमीन पर बन सकता है नया विधानसभा भवन !

एलडीए ने पूरा किया सर्वे, रिपोर्ट शासन को सौंपी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के पॉश इलाके गोमतीनगर में फैले सहारा शहर की विशाल जमीन पर अब नया विधानसभा भवन बनने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। सूत्रों के मुताबिक शासन के मौखिक निर्देश पर लखनऊ विकास प्राधिकरण एलडीए ने पिछले एक महीने में सहारा शहर की पूरी 245 एकड़ जमीन का सर्वे और नपाई का काम पूरा कर लिया है। मंगलवार सुबह तक यह रिपोर्ट शासन को भेज दी गई। गत 9 अक्टूबर को लखनऊ नगर निगम ने सहारा शहर की लीज औपचारिक रूप से निरस्त कर दी थी। इसके बाद से ही सवाल उठने लगा था कि इतनी बड़ी और प्राइम लोकेशन वाली जमीन का अब क्या होगा? सरकारी गलियारों में खुसुर–फुसुर शुरू हुई कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नया विधानसभा भवन बनाने के लिए करीब 200 से 250 एकड़ जमीन की तलाश कर रहे हैं। सहारा शहर की जमीन लोकेशन, साइज और कनेक्टिविटी के लिहाज से बिल्कुल फिट बैठती है।सरकारी अधिकारियों के अनुसार नए विधानसभा परिसर के लिए कम से कम 200 एकड़ जमीन चाहिए। इसमें विधानसभा भवन, विधान परिषद भवन, मंत्रियों–विधायकों के चौंबर, विशाल पार्किंग, ग्रीन बेल्ट और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त जगह शामिल है। सहारा शहर में 245 एकड़ जमीन उपलब्ध है, जो जरूरत से 45 एकड़ ज्यादा है।एलडीए की टीम ने पिछले 30 दिनों में दिन–रात काम करते हुए जमीन की बाउंड्री, मौजूदा निर्माण, अतिक्रमण और यूटिलिटी मैपिंग का पूरा ब्योरा तैयार किया है।रिपोर्ट में है कि जमीन पूरी तरह खाली और समतल है, गोमती नदी से दूरी सुरक्षित है।

सप्तम सजल महोत्सव–2025 मथुरा में प्रयागराज की डॉ. नीलिमा मिश्रा नीलम सम्मानित हुईं

मथुरा। आर. सी. ए. कन्या महा विद्यालय, के विशाल सभागार में सजल महोत्सव 2025 संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता– साहित्यभूषण से विभूषितहिंदी के लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार और हिंदी के सेवानिवृत आचार्य डा. महेश शदिवाकरश, डी.लिट(मुरादाबाद) ने की औरमुख्यअतिथि प्रो. हरीशंकर मिश्र, हिंदी आचार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय, और विशिष्ट अतिथि प्रो.राजेश गर्ग, हिंदी आचार्य–इलाहाबाद विद्यालय रहे।

इस वार्षिकोत्सव में देश के विभिन्न भागों से जुटे 150 से अधिक साहित्यकारोंध्सजलकारों को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत आचार्य प्रो. हरिशंकर मिश्र ने कहा कि सजलकार सामाजिक चुनौतियों के प्रति सजग हैं तथा मानवीय मूल्यों के विस्तारण हेतु काम कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सजल विधा को प्रबन्धात्मक काव्य का रूप देकर इसे और भी अधिक उपयोगी बना सकते हैं।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा के आचार्य प्रो. राजेश गर्ग ने कहा कि हर विषय पर सजलकार आज सफलतापूर्वक हस्तक्षेप कर रहा है तथा सजल के केन्द्र में मानवीय संवेदनाओं का बोध है।विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट बृजबिहारी सिंह ने सजल विधा से तन–मन–धन से जुडने तथा अन्य लोगों को जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि पूरे देश में साहित्य की सजल विधा का प्रचार– प्रसार आवश्यक है।समारोह की अध्यक्षता कर रहे अन्तर्राष्ट्रीय कला मंच मुरादाबाद के संस्थापक डॉ. महेश शदिवाकरश ने सजल सृजन के साथ–साथ इसमें शोध एवं समीक्षात्मक पक्ष पर बल देते हुए आयोजन की भूरि–भूरि प्रशंसा की! संस्था के अध्यक्ष डॉ. अनिल गहलौत ने समारोह में सजल विधा की अवधारणा एवं प्रयोजन की विस्तार से चर्चा की तथा समिति के सचिव इंजी.संतोष कुमार सिंह ने सजल सर्जना समिति की स्मारिका का लोकार्पण कराने के साथ–साथ समिति की वार्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री डा० नीलिमा मिश्रा नीलम के दो सजल–संग्रहों, एक नया अरुणोदय एवं भावों की सुरसरि का लोकार्पण हुआ

और डॉ नीलिमा को सजल भूषण सम्मान और सजल पटल रत्न सम्मान से विभूषित किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ रेखा लोढ़ा , स्मित, भीलवाड़ा ने किया, किया! सजल विधा के प्रवर्तक और समारोह के संयोजक महाकवि डा. अनिल गहलौत जने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लाल किला ब्लास्टः जिम्मेदार बचेंगे नही, दोषियों को जरूर मिलेगी सजा–जयवीर

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली ब्लास्ट दुखद घटना है। निर्दोष लोगों की जान गई,कई लोग घायल हो गये हैं। प्रधानमंत्री ने तत्काल गृह मंत्री से बात की और उन्हें मौके पर भेजा। यह प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि, श्सुरक्षा एजेंसियों की जांच जारी है। घटना को देखते हुए यूपी में भी अलर्ट कर दिया गया है। रात से ही प्रमुख धार्मिक स्थलों और संवेदनशील स्थलों पर चौकसी बरती जा रही है। धमाके के जिम्मेदार बख्शे नहीं जाएंगे। श्कल दिल्ली में हुई दुखद दुर्घटना में मारे गए सभी लोगों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

भारत और हमारी सोच डिवीजन वाली नहीं : अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, जिससे हमारी लड़ाई है, वो पुरातन पंथी हैं, और भारत की सोच को डिवीजन यानि बविभाजन वाली नहीं, बल्कि एकता वाली बताया। उन्होंने कहा कि अब हमें विजन के साथ डिवीजन का मुकाबला करना होगा। अखिलेश यादव ने युवाओं के मुद्दे पर भी अपनी राय साझा की और कहा, आज के युवा की सोच पूरी तरह से अलग है। उन्होंने हेल्थ सेक्टर और एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में काम करने की आवश्यकता को बल दिया ताकि भारत में इन क्षेत्रों में भी विकास हो सके। उन्होंने रिसर्च कैंसर संस्थान बनाने की भी आवश्यकता जताई, ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में और अधिक प्रगति हो सके।

सम्पादकीय.....

अस्वीकार्य हथकंडे

यह धारणा बना ली गई है कि हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ ज्यादा अपराध होते रहे हैं। लेकिन हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले कथित अपराधों से जुड़े झूठे मामलों में भी यह राज्य सबसे ऊपर है। जो कि एक गंभीर विरोधाभास को दर्शाता है। पुलिस आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की लगभग 45 फीसदी शिकायतें झूठी पायी गई। जबकि गुरुग्राम में 2020 से 2024 के बीच चालीस प्रतिशत से अधिक बलात्कार के मामले जांच के बाद रद्द किए गए। निश्चित रूप से इन आंकड़ों से न केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों बल्कि नागरिक समाज को भी चिंतित होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि जब मनगढ़ंत शिकायतें सिस्टम में दर्ज की जाती हैं तो ये न केवल पुलिस का समय बर्बाद करती हैं, बल्कि इसके अलावा भी इसके कई तरह के नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। ये उन वास्तविक पीड़ितों की विश्वसनीयता को भी कमजोर करती हैं जो पहले से ही अपने खिलाफ खड़ी व्यवस्था में अपना मामला साबित करने के लिये संघर्ष कर रहे होते हैं। व्यक्तिगत बदला लेने, जबरन आर्थिक वसूली या ब्लैकमेल के लिये कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसा कि हाल ही में गुरुग्राम में एक वकील के नेतृत्व वाले गिरोह से जुड़े मामले में खुलासा हुआ। जाहिर है, इस तरह की करतूतें न्याय प्रक्रिया में जनता के विश्वास को कम ही करती हैं। निस्संदेह, इस सामाजिक विद्रूपता का उत्तर सभी महिलाओं पर अविश्वास करने या उन्हें हिंसा की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करने में नहीं है। हर शिकायत को गंभीरता से लिया ही जाना चाहिए। लेकिन साथ ही जांच पेशवर तरीके से और प्रमाणिक साक्ष्य आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा उतना ही महत्वपूर्ण उन लोगों को दंडित करना भी है जो जानबूझकर कानून का दुरुपयोग करते रहे हैं। निश्चित रूप से महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय की अखंडता परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि वे पूरी तरह एक–दूसरे पर ही निर्भर भी हैं। लेकिन प्रसंग के आलोक में सबसे बड़ी सामाजिक चिंता यह भी होनी चाहिए कि हरियाणा में लैंगिक संबंध इतने अस्थिर क्यों हो चले हैं कि यहां हिंसा और प्रतिशोध दोनों पनपते हैं? निर्विवाद रूप से शिक्षा, जागरूकता और लैंगिक संवेदनशीलता कमजोर कड़ियां बनी हुई हैं। सच्चा सशक्तीकरण कानूनों के हथियारीकरण से नहीं, बल्कि एक ऐसी संस्कृति से आएगा, जो निष्पक्षता, समानता और आपसी सम्मान को महत्व देती हो। झूठे आरोप न केवल आरोपी को बल्कि मामले की संवेदनशीलता को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में महिलाओं को न्याय सिर्फ सच्चाई या विश्वास की कीमत पर नहीं मिल सकेगा। ऐसे मामलों में समाज के जागरूक लोगों और महिला संगठनों को भी आवाज उठानी चाहिए। साथ ही उन लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के जरिये दंडित किया जाना चाहिए, जो कानून की आड़ में निहित स्वार्थों को पूरा करना चाहते हैं।

कश्मीर घाटी में जो कुछ भारत के विरुद्ध हो रहा, इसे जानने का अधिकार तो लोगों को है

मा. मोहन लाल

राजनीति में आज जो दुश्मन है, कल मित्र भी बन जाएगा। राजनीति कोई ठहरा तालाब नहीं बल्कि राजनीति तो एक बहता दरिया है। भारत के राजनेता विचार करें।

भारत के अभिन्न हिस्सों में वर्षों से चली आ रही मारधाड़ की सच्चाई जानने का अधिकार तो जनता को होना चाहिए। वहां तो अनंत काल से अमावस्या ही अमावस्या है। 'कश्मीर घाटी' वर्षों से आग की लपटों में है, परन्तु देश के अन्य राज्यों में कश्मीर घाटी के प्रति मूकता का भाव क्यों? कश्मीर से कन्या कुमारी तक अपनी ही तो मातृभूमि है। फिर कश्मीर घाटी के लिए यह वितृष्णा क्यों? कश्मीर घाटी का मुसलमान तो 'पाकिस्तान जिंदाबाद' बोलता चला आ रहा है? 'कश्मीर घाटी' में वर्षों से रिसते जख्मों पर कौन मरहम लगाएगा? क्यों वहां से कश्मीरी पंडितों को निष्कासित किया गया? क्यों 'कश्मीर घाटी' का हिंदू अपने ही घर में बेघर हो गया? भारत भूमि तो सभी धर्मों के लिए एक विस्तृत भूखंड है। 'कश्मीर घाटी' को क्यों इस्लामिक राज्य बनाया जा रहा है? 1947 के भारत विभाजन के बाद भी 'कश्मीर घाटी' क्यों स्वाभाविक रूप से हिंदोस्तान से न जुड़ सकी है? जिन्ना को हर हाल में पाकिस्तान बनाना था, बना लिया, फिर 'कश्मीर घाटी' में अराजकता क्यों? यह जानना तो भारतीय जनता का अधिकार है। बार–बार यही 'अरण्य रोदन' कि अब्दुल्ला परिवार कश्मीर घाटी की शांति का दुश्मन है। यदि अब्दुल्ला परिवार है तो उससे फैसलाकुन बात करो। आखिर पी.डी.पी. की मुफ्ती महबूबा को भी तो लाखों मतभेद होते हुए भारत सरकार ने जम्मू–कश्मीर राज्य का मुख्यमंत्री बनाया ही था? महबूबा से तो अब्दुल्ला परिवार थोड़ा सॉफ्ट है। राजनीति में आज जो दुश्मन है, कल मित्र भी बन जाएगा। राजनीति कोई ठहरा तालाब नहीं बल्कि राजनीति तो एक बहता दरिया है। भारत के राजनेता विचार करें। कश्मीर तो भारत का एक अभिन्न अंग है। उसे सदा के लिए 'अनसुलझा मसला' नहीं रहने देना चाहिए। आज तक देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल को हम कश्मीर समस्या के लिए कोसते चले आ रहे हैं जबकि पंडित नेहरू को तो हमने 1964 में अलविदा कह दिया था। सन 1965, सन 1971 और सन 1999 तक हमने तीन युद्ध तो लड़ लिए। अब 'आप्रेशन सिंदूर' भी हमने कर लिया । 'कश्मीर घाटी' को स्थायी अमावस्या से बाहर नहीं निकाल सके। पंडित नेहरू के बाद तो केंद्र में बीसियों सरकारें भारत के लोगों ने बना लीं। इतने पर भी 'कश्मीर समस्या' तपती ही रही। पुलवामा और पहलगाम की जघन्य घटनाओं ने तो विश्व राजनीति को हिला कर रख दिया। पाकिस्तान की पार्लियामेंट में मैंने स्पीकर से लेकर वहां के सभी सांसदों को सुना।

सब के सब यही बोल रहे थे कि सारी घटनाएं भारत स्वयं करवा रहा है ताकि दुनिया आतंकवाद के नाम पर पाकिस्तान को बदनाम किया जा सके और जब भी भारत की केंद्र सरकार को कोई झटका लगता है तो वह पाकिस्तान की ओर मुंह कर लेता है। पाकिस्तान कहता है कि वह खुद आतंकवाद से लड़ रहा है परन्तु यह सब कहने से पहले पाकिस्तान यह क्यों दुनिया के सामने स्वीकार नहीं करता कि दुनिया का सबसे खतरनाक और सबसे बड़ा आतंकवादी 'ओसामा बिन लादेन' पाकिस्तान के शहर अलावलपुर में अपना 'हैड आफिस' बनाए बैठा था? ऐसे में पाकिस्तान के राजनेताओं पर विश्वास कौन करेगा? 1980 से 2025 तक के कालखंड में 25,000 कीमती जानें आतंकवाद का शिकार हो चुकी हैं। राजनेताओं से लेकर सैन्य अधिकारियों और आम आदमी से लेकर पुलिस के जवानों तक, नौजवानों से लेकर बच्चों और बूढ़ों तक को इस आतंकवाद ने नहीं छोड़ा। 'कश्मीर घाटी' के अपने लोग ही आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं, उन्हें रास्ता बता रहे हैं। स्थानीय जनता ही आतंकवादियों के लिए 'रेकी' कर रही है। उन्हें खाने–पीने के लिए रसद पहुंचा रही है। कोई स्वयं विचार करे कि विभीषण के रहते क्या लंका बच सकती है? इन चीजों का उत्तर तो सरकार को ही देना है और 'कश्मीर घाटी' में क्या हो रहा है और क्यों हो रहा है, यह जानना तो भारत के लोगों का अधिकार है। सरकार न जवाब दे परन्तु इस पर कोई 'सफेद यंत्र' या 'जांच आयोग' तो बिठा सकती है? अब तो सरकार ने ध ाारा 370 भी हटा दी है। इसी धारा पर 1954 से विरोध होते रहे हैं न? अब सरकार उत्तर दे कि ड्क्षहदुओं के धार्मिक स्थान क्यों सुरक्षित नहीं? जम्मू में वैष्णो माता के मंदिर को लगातार खतरा जारी है। श्रीनगर में कश्मीरी पंडितों की अराध्य देवी 'खीर भवानी' का मंदिर हमेशा खतरे में रहा है। कश्मीरी पंडितों की दुकानों, मकानों, जायदादों, खेत–खलिहानों पर मुसलमान कब्जा जमाए बैठे हैं। कश्मीरी पंडितों को जबरदस्ती घाटी से निकाल दिया है। 'कश्मीर घाटी' में पाकिस्तानी झंडे लोगों ने अपने घरों पर लगा रखे हैं। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है तो कश्मीरी पंडितों पर जुल्म क्यों? अतः यह जनता को जानने का अधिकार है कि कश्मीर घाटी में क्या हुआ, क्यों हुआ और नित्य बिना युद्ध के फौज के जवानों की लाशें तिरंगे में लिपटी उनके घर पहुंच रही हैं क्यों।

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा "वसुधैव कुटुम्बकम्" के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि "ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं"। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन–मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह–अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में "हिंदुत्व" का अर्थ भारतीयता है अर्थात् भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार–बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है? संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, "हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है।" इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मज़हब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं। इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से "हिंदू" अर्थात् इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में "हिंदू" शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव "सर्वे भवन्तु सुखिनः" और "एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति" जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है। आज की राजनीति में समाज को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बाँटने का जो विषवमन चल रहा है, उससे राष्ट्र की एकात्मता को गहरी चोट पहुँच रही है। संघ का उद्देश्य इस विभाजनकारी मानसिकता के प्रतिरोध में खड़ा होना है। मोहन भागवत का यह वक्तव्य इसी विषहरण की प्रक्रिया का हिस्सा है, एक ऐसी पुकार जो समाज के हर वर्ग को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र की आत्मा किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान में नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। संघ के लिए राष्ट्र ही सर्वोच्च देवता है। इस राष्ट्रभक्ति के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता नहीं बल्कि धर्मसम्मतता है अर्थात् ऐसी आस्था जो सभी मतों का सम्मान करती है। इसी भाव से प्रेरित होकर संघ अपने कार्यकर्ताओं को "हिंदू समाज की सेवा के माध्यम से समग्र भारतीय समाज की एकता" का लक्ष्य देता है। भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि "जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है।" यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक दृष्टि से

महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया। इस संदर्भ में भागवत का दृष्टिकोण गांधीजी की उस संकल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था– "मेरा हिंदुत्व सबको समेटने वाला है, किसी को बाहर करने वाला नहीं।" यही समावेशी भाव राष्ट्र की एकता का आधार बन सकता है। यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही भी है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करके एक सशक्त राष्ट्र की परिकज्पना करता है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर एवं अन्य स्तरों पर इन देश तोड़क स्थितियों एवं दुष्प्रचार का स्पष्टीकरण होता रहे। संघ को लेकर फैलायी जा रही यह भ्रांति एवं गुमराह पूर्ण स्थितियों का खुलासा होना जरूरी है कि संघ संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान एवं सृजनात्मक हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए, उसका व्यापक स्तर पर स्वागत भी होना चाहिए। लेकिन बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम् के विरोध में स्वर सुनाई दिए। इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। भागवत का संदेश भारत के बहुलतावाद और धार्मिक विविधता में निहित एकता को स्वीकार करता है। यह एक ऐसा आमंत्रण है जो हर नागरिक को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि "भारतीयता" हमारी साझा पहचान है, बाकी सब उपाधियाँ हैं। इस दिशा में संघ का दृष्टिकोण "समरस समाज" की रचना पर केंद्रित है? ऐसा समाज जहाँ मुसलमान, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी सभी अपने धर्म का पालन करते हुए भी राष्ट्र को अपनी मातृभूमि मानें और भारतीय संस्कृति के गौरव से जुड़ें।

वंदे मातरम पर अनावश्यक विवादवंदे मातरम पर अनावश्यक विवाद

जब देश भीतरी और बाहरी मोर्चों पर कई समस्याओं से गुजर रहा है और लोग इस उम्मीद में हैं कि लगभग हर रोज चुनावी मंचों से बड़ी–बड़ी बातें करने वाले प्रधानमंत्री मोदी इनका समाध ाान करेंगे, तब श्री मोदी इतिहास को उलट–पुलट कर नया विवाद खड़ा करने की कोशिश में हैं। आपातकाल, सरदार पटेल को प्रधानमंत्री बनने से रोकना, शास्त्री जी की हत्या, कश्मीर का हिस्सा पाकिस्तान को देना, देश का विभाजन करना, इन सब पर विवाद खड़ा करने और फिर प्रायोजित चर्चाओं से भाजपा का मन नहीं भरा तो अब राष्ट्रगीत वंदे मातरम पर सोची–समझी रणनीति के तहत बेजा विवाद खड़ा किया जा रहा है। आजादी के बाद से अब तक कभी वंदेमातरम पर किसी सरकार ने राजनैतिक फायदा उठाने के लिए अकारण विवाद को तूल दिया हो, याद नहीं पड़ता। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ऐसा ही कर रहे हैं। इसके दो कारण हो सकते हैं, एक तो पं.नेहरू को बदनाम करने के सारे पैंतरे बेअसर साबित हुए, तो अब उन पर देश विभाजन का इल्जाम लगाया जा रहा है। दूसरा संघ ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया, बल्कि कई मौकों पर अंग्रेजों का साथ दिया तो अब उस गद्दारी को छिपाने की यह कोशिश है। और इसका तीसरा कारण भी है कि जब वास्तविक समस्याओं का समाधान करने की काबिलियत न हो, तो आभासी मुद्दे खड़े कर ध्यान भटकाया जाए। लिहाजा अब वंदे मातरम संघ और मोदी के निशाने पर है। गौरतलब है कि शुक्रवार को वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने का आयोजन किया गया, जिसमें श्री मोदी ने कहा कि, दुर्भाग्य से, 1937 में मूल वंदे मातरम गीत से महत्वपूर्ण पद हटा दिए गए थे। श्वंदे मातरम्य को टुकड़ों में तोड़ दिया गया। इसने विभाजन के बीज भी बो दिए। वही विभाजनकारी विचारधारा आज भी राष्ट्र के लिए एक चुनौती बनी हुई है।य श्री मोदी ने कहा– श1937 में नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने गीत के महत्वपूर्ण पदों को जानबूझ कर हटा दिया था, जिससे गीत की श्आत्माय को अलग कर दिया गया। लेकिन बड़ी चालाकी से नरेन्द्र मोदी ये बात छिपा गए कि इस फैसले में नेहरूजी के साथ नेताजी बोस, मौलाना आजाद, आचार्य नरेंद्र देव इन सबकी भी सहमति थी। बल्कि रवीन्द्रनाथ टैगोर भी इस बात को मानते थे कि पूरी वंदे मातरम कविता अगर अपने संदर्भ के साथ पढ़ी जाए तो इसकी व्याख्या इस तरह से हो सकती है कि मुसलमानों की भावना को चोट पहुंचे। इतिहास में यह बात दर्ज है कि कांग्रेस ने इस गीत के पहले दो अंतरों को राष्ट्रीय गीत के रूप में 1937 के फैजपुर अधिवेशन में मान्यता दी और 24 जनवरी 1950 को डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा के अध यक्ष के तौर पर जनगणमन को राष्ट्रगान घोषित करते हुए प्रथम दो पदों वाले वंदेमातरम को राष्ट्रगीत का सम्मान देने की घोषणा की थी। श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी इसी संविधानसभा के सदस्य थे और डॉ. अंबेडकर भी। तो क्या नरेन्द्र मोदी पं. नेहरू के साथ–साथ डा. राजेन्द्र प्रसाद, डा. अंबेडकर, रवीन्द्रनाथ टैगोर सभी को गलत बता रहे हैं।नरेन्द्र मोदी इस तथ्य को क्यों नहीं बता रहे कि बंकिमचंद्र चटर्जी ने इस गीत को पहली बार जब लिखा था, तो उसमें शुरुआती दो अंतरे ही थे। लेकिन जब उन्होंने आनंदमठ उपन्यास लिखा तो उसकी जरूरत के अनुरूप इसमें इस गीत को डाला और आगे के अंतरे जोड़े। जिसमें देवी दुर्गा की स्तुति है। यह उपन्यास बंगाल में अकाल के बाद अंग्रेजों की क्रूर कर नीति के विरोध में संन्यासियों के विद्रोह की पृष्ठभूमि में लिखा गया है, जिसमें मुसलमानों को भी अत्याचारी बताया गया है।याद रहे कि तत्कालीन बंगाल में अंग्रेजों से पहले नवाबों का शासन था, इसलिए इसमें मुसलमानों को खलनायक की तरह दिखाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश और आवारा कुत्तों की समस्या!

विनीत नारायण

भारत में आवारा कुत्तों की समस्या एक जटिल सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा रही है। बीते शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी किया है जिसमें रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, स्कूलों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों से आवारा कुत्तों को तुरंत हटाने और उन्हें नसबंदी, टीकाकरण के बाद निश्चित आश्रमों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कोर्ट ने साफ किया है कि इन कुत्तों को उनकी मूल जगह वापस नहीं छोड़ा जाएगा ताकि इन सार्वजनिक स्थलों से उनकी उपस्थिति खत्म हो सके। यह फैसला भारत में आवारा कुत्तों से जुड़ी बढ़ती समस्या जैसे कि कुत्ते के काटने की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की 3 न्यायाधीशों की बेंच ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय 2 सप्ताह के अंदर सभी सरकारी और निजी स्कूलों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड आदि की पहचान करें जहां आवारा कुत्ते उपस्थित हैं। इसके बाद स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी होगी कि वे इन कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित आश्रमों में स्थानांतरित करें,जहां उन्हें न सिर्फ नसबंदी और टीकाकरण दिया जाएगा बल्कि उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की जाएगी। कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन इस कार्रवाई में बाधा डालता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 13 जनवरी 2026 को समीक्षा के लिए पुनरू लाया जाएगा। जानवर प्रेमियों और पशु अधिकार संगठनों ने इस आदेश पर व्यापक असंतोष जताया है। उनका कहना है कि इस तरह के आदेश से कुत्तों के प्रति चिंता और संरक्षण कम हो सकता है। कई संगठन इस बात पर जोर देते हैं कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को उनके मूल क्षेत्र में ही जारी रखना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से इलाके में कुत्तों की आबादी नियंत्रित रहती है और कुत्तों के व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वे पशु कल्याण बोर्ड के पुराने सुझावों का हवाला देते हैं, जिनमें कहा गया है कि आवारा कुत्तों का पुनरू उनके क्षेत्र में छोडना बेहतर तरीका है न कि उन्हें जोर जबरदस्ती आश्रमों में बंद करना। कई जानवर प्रेमी और समाजसेवी समूह आशंकित हैं कि इस कदम से आवारा कुत्तों की संख्या और व्यवहार संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। पशु प्रेमी जो जानवरों के कल्याण के प्रति संवेदनशील होते हैं, उन्हें इस निर्णय को एक सकारात्मक कदम के रूप में देखना चाहिए। यह आदेश केवल कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाने की बात नहीं करता बल्कि उनके लिए एक सुरक्षित और मानवीय वातावरण प्रदान करने पर भी जोर देता है। नसबंदी और टीकाकरण जैसे कदम न केवल कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करेंगे बल्कि उनके स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाएंगे। सड़कों पर रहने वाले कुत्ते अक्सर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की कमी से जूझते हैं, जिसके कारण वे आक्रामक हो सकते हैं। आश्रय स्थलों में उन्हें नियमित भोजन, चिकित्सा देखभाल और सुरक्षित स्थान मिलेगा जो उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएगा। वहीं सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सरकार को कई महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। यदि इसे सही ढंग से अमल में लाया जाए तो यह पूरे देश के लिए एक मॉडल बन सकता है। केवल दिल्ली में अनुमानित 10 लाख आवारा कुत्तों को देखते हुए, इसे अमल में लाना एक चुनौती हो सकती है। सरकार को बड़े पैमाने पर आधुनिक आश्रय स्थल बनाने होंगे जो स्वच्छता, भोजन और चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित हों। इन आश्रय स्थलों में पशु चिकित्सकों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति आवश्यक है। पशु प्रेमियों की मानें तो इस आदेश को जारी करते समय कुछ सावधानियों और वैकल्पिक उपायों पर विचार किया जाना आवश्यक था जैसे, स्थानीय आश्रमों की संख्या, संसाधन और देखभाल क्षमता का आकलन, कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए आम लोगों में जागरूकता और सामाजिक समन्वय, नसबंदी और टीकाकरण के बाद ही कुत्तों को उनके इलाके में छोडने की नीति, कुत्तों के प्रति मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक शिक्षा, पशु अधिकार समूहों, नगर निगम और प्रशासन के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा। भारत में आवारा कुत्तों की संख्या बहुत अधिक है और प्रबंधन के लिए अलग–अलग राज्यों में नियम चलाए जाते हैं, जिसमें नसबंदी, टीकाकरण और पुनरू छोडना शामिल है। उदाहरण स्वरूप, जयपुर और गोवा जैसे शहरों ने इस विधि से कुत्तों से होने वाली बीमारियों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा है। दूसरी ओर, विश्व के कई देशों ने भी अपनी–अपनी रणनीतियां अपनाई हैं। सिंगापुर में सरकारी निकाय द्वारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी और टीकाकरण के बाद या तो पुनरू छोड़ दिया जाता है या फि र उनका पुनर्वास किया जाता है। तुर्की के इस्तांबूल में मोबाइल वेटरनरी क्लीनिक और सार्वजनिक फीडिंग स्टेशन बनाए गए हैं, जिससे कुत्तों का प्रबंधन प्रभावी ढंग से हो रहा है। भूटान में 2023 में 100 प्रतिशत आवारा कुत्तों की नसबंदी का लक्ष्य हासिल किया गया, रोमानिया में कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए नसबंदी पर जोर दिया गया है, साथ ही सार्वजनिक प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए कुत्तों की हत्या से बचा गया है।

अनीत पड्डा जल्द देंगी कॉलेज की फाइनल ईयर परीक्षाएं, इसके बाद शुरू करेंगी `शक्ति शालिनी' की शूटिंग

"ये वाकई अद्भुत है कि अनीत पड्डा इतनी कम उम्र में देश की सबसे बड़ी सक्सेस स्टोरी बन गई हैं। भारत की जेन जी स्टार दिसंबर,जनवरी में अपनी फाइनल-ईयर परीक्षाएं देंगी और उसके तुरंत बाद अपनी अगली फिल्मकृदिनेश विजान की 'शक्ति शालिनी'कृकी शूटिंग शुरू करेंगी, जिसमें वह लीड रोल निभा रही हैं।"

'सैयारा' से ऑल–टाइम सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी देने के बाद देश की सबसे बड़ी जेन जी स्टार बनी अनीत पड्डा अब दिसंबर और जनवरी में अपनी कॉलेज की फाइनल ईयर परीक्षाएं देने जा रही हैं! एक सूत्र ने जानकारी दी, "ये वाकई अद्भुत है कि अनीत पड्डा इतनी कम उम्र में देश की सबसे बड़ी सक्सेस स्टोरी बन गई हैं। भारत की जेन जी स्टार दिसंबर,जनवरी में अपनी फाइनल–ईयर परीक्षाएं देंगी और उसके तुरंत बाद अपनी अगली फिल्मकृ दिनेश विजान की 'शक्ति शालिनी'कृकी शूटिंग शुरू करेंगी, जिसमें वह लीड रोल निभा रही हैं।" सूत्र ने आगे बताया,"अनीत इस समय अपने फाइनल ईयर की पढ़ाई में व्यस्त हैं। वह पॉलिटिकल साइंस में बी.ए. (ऑनर्स) कर रही हैं और काम व पढ़ाई को संतुलित करने में जुटी हैं। उनका शेड्यूल इस तरह मैनेज किया जा रहा है कि वे पढ़ाई को पूरा समय दे सकें, जबकि वर्क–फ्रंट पर जरूरी काम भी न छूटे।"'सैयारा' अनीत पड्डा का वाईआरएफ हीरोइन के रूप में बड़ा डेब्यू था। फिल्म में अहान पांडे मुख्य भूमिका में थे और इसने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दियाकृपिछले 25 वर्षों में 'कहो ना प्यार है' के बाद किसी न्यूकमर की सबसे बड़ी लॉन्चिंग! अनीत के प्रभावशाली प्रदर्शन के चलते ही दिनेश विजान ने अपनी ब्लॉकबस्टर मैडॉक होरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' के लिए उन्हें चुना। अनीत भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे कम उम्र में किसी फ्रेंचाइज की हेडलाइंस करने वाली अभिनेत्री बन गई हैंकृउन्होंने यह फिल्म तब साइन की थी जब वह सिर्फ 22 साल की थीं। 'शक्ति शालिनी' 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी, जिससे अनीत फिर इतिहास में दर्ज हो गई हैंकृसबसे कम उम्र की अभिनेत्री जिनकी फिल्म देश के सबसे बड़े सुपरस्टार्स की तरह एक मेगा हॉलीडे रिलीज स्लॉट में सिनेमाघरों में पहुंचेगी!

पश्मीना रोशन के जन्मदिन पर देखें उनके फैशन का जलवा, ग्लैमर, एलिगेंस का परफेक्ट कॉम्बो

आज अपना जन्मदिन मना रहीं पश्मीना रोशन के फैशन चॉइस की बात करें तो वे मॉडर्न, ग्लैमर के साथ एलिगेंस और यंग कॉन्फिडेंस का परफेक्ट मेल हैं। कभी सिजलिंग सिल्हूट्स तो कभी प्लेफुल प्रेप्पी लुक्स, पश्मीना की स्टाइल जर्नी उनके मल्टीफैसेटेड चार्म को बखूबी दर्शाती है। तो आइए देखते हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फैशन मोमेंट्स, जिन्होंने उनके सिग्नेचर स्टाइल को परिभाषित किया है। पश्मीना ने एक ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया, जिसमें वर्टिकल सिल्वर शिमर एक्सेंट्स थे। यह एक ऐसा लुक है, जो सादगी और चमक दोनों का संतुलन बनाए रखता है। डीप नेकलाइन और स्ट्रक्चर्ड फिट ने उनके ग्रेस को और निखारा, वहीं क्लासिक ब्लैक डियोर बैग ने पूरे लुक में लग्जरी का टच जोड़ दिया है। ग्लैम से हटकर, पश्मीना ने गर्ल–नेक्स्ट–डोर वाइब के साथ क्लासिक चेक्स को नया ट्विस्ट दिया है। अब देखिए न जिस तरह उन्होंने ब्लू प्लेड को–ऑर्ड सेट के साथ स्लीवलेस कॉलर क्रॉप टॉप और हाई–वेस्ट स्कर्ट पहना है, उसने स्मार्ट एलिगेंस का खूबसूरत उदाहरण पेश किया है। इसके अलावा पर्ल और क्रिस्टल चोकर उनके इस लुक को परफेक्ट कम्प्लीमेंट कर रहा है। इस स्ट्राइकिंग ब्लैक कट–आउट गाउन में पश्मीना का कॉन्फिडेंस और मॉडर्न ग्लैमर झलक उठा है। साथ ही थाई–हाई स्लिट और गोल्ड कफ एक्सेसरीज ने इस लुक में ड्रमैटिक फ्लेयर जोड़ दिया है। यह लुक रेड–कार्पेट सोफिस्टिकेशन को नए अंदाज में पेश करता है। ऑफ–ड्यूटी लुक में पश्मीना ने कूल–गर्ल एस्थेटिक को बखूबी निभाया है। ब्लू चेकर्ड मेज शर्ट को उन्होंने व्हाइट प्लीटेड मिनी स्कर्ट के साथ पेयर किया है। प्रेप्पी और स्पोर्टी एलिमेंट्स का यह मिक्स लुक को कैजुअल के साथ रनवे–रेडी भी बनाता है।इस मनमोहक पोर्ट्रेट में पश्मीना रोशन एक मॉडर्न–डे एंचौंट्रेस के रूप में नजर आती हैं। उनका गाउन एक शानदार ओम्ब्रे ट्रांजिशन पेश करता है, जो गहरे, रहस्यमयी शेड, नेवी या प्लम से शुरू होकर बीच के इंटरमीडिएट ह्यूज से गुजरते हुए नीचे हल्के टोन पर खत्म होता है। यह स्मूद ग्रेडिएंट ऐसा एहसास कराता है, मानो वे खुद ट्वाइलाइट से उभर रही हों। यह एक ऐसा लुक है, जो रहस्य, नजाकत और रोशनी का सुंदर संगम है।

बॉलीवुड हसीनाओं जैसी खूबसूरती पाने के लिए फॉलो करें ये स्किन केयर रूटीन

बॉलीवुड की एक्ट्रेस न सिर्फ अपनी बेबाक एक्टिंग बल्कि अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। सभी महिलाएं ऐसे में उन्हीं की तरह खूबसूरत त्वचा पाना चाहती हैं। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि आपकी स्किन काफी ग्लोइंग और बेदाग हो जाए तो हम आपको आज कुछ एक्ट्रेस की बेसिक स्किन केयर रूटीन बताने जा रहे हैं, जिसे आप भी फॉलो कर खुद को सुंदर दिखा सकती हैं।

चीनी से करती हैं परहेज

अपनी स्किन को हमेशा जवान और पिम्पल फ्री रखना है तो डेली डाइट से शुगर यानि चीनी या चीनी से बनी चीजों को बंद करना होगा क्योंकि चीनी में सल्फेट जैसे ऐसे कई हानिकारक केमिकल्स होते हैं जो हमे स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स जैसे फेस पर पिंपल्स , स्किन का मुरझाया रहना , झुर्रियां और कई तरह की बीमारी भी होने का डर रहता है।

स्किन को हाइड्रेट रखें

'त्वचा की असली केयर तब ही है जब आप उसे हाइड्रेटेड रखें स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए दिन में 3 लीटर यानि 10 से 15 ग्लास पानी पीएं। साथ ही कोकोनट वाटर, बटर मिल्क और शुगर फ्री जूस पीकर अपने आपको एनर्जेटिक और ग्लोइंग रख सकते हैं।

इंस्टेंट ग्लो के लिए पपीता पैक

इंस्टेंट ग्लो के लिए कियारा, पपीता पैक भी इस्तेमाल करती हैं। पपीते को मैश करके चेहरे पर लगाकर रोजाना मसाज करती है जिससे त्वचा को पोषक तत्व मिलते है और स्किन ग्लो करने लगती है।

नाइट क्रीम लगाना नहीं भूलती

डेली स्किन रूटीन में नाइट स्किन रूटीन बहुत जरुरी है। इसलिए रात को स्किन केयर करने से ज्यादा अच्छे रिजल्ट मिलते हैं। इसके अलावा आप मेकअप यूज करती हैं तो इसे उतारना न भूलें और अपनी स्किन को मॉइस्चराइज जरूर करें।

सब्जियां और फल खाना नहीं भूलती

एक्ट्रेस अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फ्रूट्स, प्रोटीन रिच खाना खाती हैं। इनको खाने से न केवल सेहत फिट रहती है बल्कि खूबसूरती भी मिलती है।

लिवर की गंभीर बीमारी से जूझते हुए इस मशहूर एक्टर का निधन, बढ़ते इलाज के खर्चो के कारण मांगी थी आर्थिक सहायता

मनोरंजन जगत से आज एक के बाद एक बुरी खबर सामने आ रही है। हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक ली तामाहोरी के बाद अब फेमस तमिल एक्टर का निधन हो गया है। एक्टर अभिनय किंगर अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 44 की उम्र में निधन हो गया है। 10 नवंबर को अभिनय का गंभीर बीमार से जूझते हुए देहांत हो गया है। यह बुरी खबर सामने आते ही तमिल इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। अभिनय किंगर लिवर की गंभीर बीमारी से ग्रसित थे, जिससे उनका वजन काफी ज्यादा कम हो गया था और उनका शरीर सूख गया था। बीमारी के चलते उन्हें आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ा था और इलाज के लिए उन्होंने आर्थिक सहायता की अपील भी की थी। इस वक्त उनका पार्थिव शरीर चेन्नई स्थित उनके घर पर रखा गया है। नदिगर संगम के प्रतिनिधियों को उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी गई है, क्योंकि उनके करीबी परिजन इस वक्त मौजूद नहीं हैं। कुछ समय पहले अभिनय किंगर ने एक वीडियो शेयर कर बताया था कि उनकी हालत गंभीर है। उन्होंने कहा था, श्मुझे नहीं पता कि मैं ज्यादा समय तक जीवित रह पाऊंगा या नहीं। डॉक्टरों ने कहा है कि मेरे पास केवल डेढ़ साल का समय है। बता दें, अभिनय किंगर ने साल 2002 की फिल्म थुल्लुवधो इलमई से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी और इससे ही उन्हें असल पहचान मिली थी। इसके बाद उन्होंने तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा में 15 से अधिक फिल्मों, विज्ञापनों और वॉयस–ओवर प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2012 में उन्होंने एआर मुरुगदॉस निर्देशित और विजय अभिनीत सुपरहिट फिल्म थुप्पाक्की में विलेन विद्युत जामवाल के किरदार को अपनी आवाज दी थी।

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 में सिद्धांत चतुर्वेदी ने मचाई धूम, धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस से जीता सबका दिल

70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का टेलीकॉस्ट देशभर में तब चर्चा का विषय बन गया, जब सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने जबरदस्त डांस परफॉर्मेंस से मंच पर आग लगा दी। अपनी करिश्माई पर्सनैलिटी और दमदार ऑन–स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर सिद्धांत ने ऐसा हाई–एनर्जी एक्ट पेश किया कि वो रात की सबसे चर्चित प्रस्तुति बन गई। हिंदी सिनेमा में डांस को नई पहचान देनेवाले दिग्गज सितारों को शानदार ट्रिब्यूट देते हुए सिद्धांत ने दर्शकों को बॉलीवुड के सबसे आइकॉनिक डांस युगों की सैर करवाई। इसकी शुरुआत उन्होंने शम्मी कपूर के सदाबहार गाने "चाहे कोई मुझे जंगली कहे" से की, जिसमें उन्होंने उस दौर की बेफिक्र अदा और जोश को बखूबी जिया। इसके बाद उन्होंने जीतेंद्र के "एक आंख मारूं तो" पर झूमते हुए सबको नचा दिया, और फिर मिथुन चक्रवर्ती के "जूली जूली" पर डिस्को बीट्स से माहौल में आग लगा दी। इसके बाद सिद्धांत ने अपने अंदाज में मस्ती का तड़का लगाया "साड़ी के फॉल सा" पर, जिसमें उनका स्टाइल और आत्मविश्वास देखते ही बनता था। ग्रैंड फिनाले में उन्होंने ऋतिक रोशन के "कहो ना... प्यार है" और "दिल ने दिल को पुकारा" के आइकॉनिक स्टेप्स दोहराए और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गौरतलब है कि उनके हर मूव में जो नजाकत, लय और ऊर्जा थी, उससे मंच सचमुच जीवंत हो उठा। सिद्धांत की ट्रांजिशन इतनी स्मूद थी कि हर कठिन स्टेप भी सहज लग रही थी। इसी के साथ चेहरे के भाव, बॉडी लैंग्वेज और एनर्जी सब कुछ एकदम परफेक्ट थी। अब तक किसी भी फिल्म में अपने डांस का जलवा नहीं दिखानेवाले सिद्धांत ने इस परफॉर्मेंस से इस कदर सबको हैरान कर दिया कि सोशल मीडिया पर तारीफों की बाढ़ आ गई। उनके फैंस के साथ इंडस्ट्री के तमाम लोग, अब एक सुर में सिद्धांत के डांस की तारीफ करते हुए यही कह रहे हैं कि "अब तो सिद्धांत को डांस फिल्म में देखना ही है!"

लड़कों के वॉर्डरोब में होने चाहिए इन 6 रंगों की शर्ट, लड़कियां स्टाइल देखकर फिदा हो जाएगी

अगर आप भी ट्रेंडी कलर की शर्ट पहनना पसंद करते हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। चाहे डेली वियर हो या फिर कोई ऑकेजन, ऐसे में लड़के शर्ट पहनना पसंद करते हैं। अक्सर शर्ट के रंग को लेकर लड़के काफी कंफ्यूज रहते हैं। शॉपिंग के दौरान किस कलर की शर्ट लेनी जो उनके लुक को सूट करेगी। जब आप शर्ट का चयन करते हैं तो कलर का ध्यान रखना जरुरी होता है। शर्ट का रंग हमारे पर्सनालिटी को शानदार बनाता है। एक अच्छे रंग की शर्ट लुक में चार चांद लगा देता है वहीं, गलत रंग की शर्ट लेने से ओवरऑल लुक को खराब कर देती है। अगर आप इन रंग की शर्ट पहनेंगे तो स्मार्ट दिखेंगे, लड़कियां भी तारीफ करेंगी।

ब्लैक शर्ट

लड़कों को अपनी वॉर्डरोब में एक बेसिक ब्लैक शर्ट जरुर होनी चाहिए। किसी भी ऑकेजन पर ब्लैक शर्ट काफी सुंदर लगती है। यह हमेशा एकदम क्लासी लुक देता है। यह रंग हर स्किन टोन पर सूट करता है।

व्हाइट शर्ट

व्हाइट शर्ट दिखने में सिंपल हो सकती है लेकिन यह लुक को बेहद कमाल कर देती है। इसको आप रोजाना या किसी खास ऑकेजन पर पहन सकते हैं। इसे आप कई तरह से फैशन एक्सपेरिमेंट कर के न्यू लुक क्रिएट कर पहन सकते हैं।

लाइट पिंक शर्ट

यदि आप यह सोचते हैं कि पिंक कलर लड़कियों के लिए है तो आपको अपना टेस्ट बदलने की काफी जरुरत है। सॉफ्ट पिंक कलर लड़कों पर खूब जचते हैं। लड़कियों को लड़को पर पिंक यह रंग काफी पसंद आता है। अगर आप किसी रोमेंटिक डेट पर जाना हो या अपनी क्रश को इंप्रेस करना हो, इस रंग से बेहतर कोई और ऑप्शन हो नहीं सकता।

पाउडर ब्ल्यू शर्ट

इस रंग की शर्ट काफी ट्रेंड में रहती है। पाउडर ब्ल्यू शर्ट दिखने में बेहद क्लासी लगती है और प्रोफेशनल लुक भी देती है। यह शर्ट हर किसी के स्किन टोन पर सूट करती है। इसे आप ऑफिस से लेकर डेट पर भी वियर कर सकते हैं।

ऑलिव ग्रीन शर्ट

ऑलिव ग्रीन शर्ट तो आजकल ट्रेंड में है और यह कलर लड़कों पर खिल के आता है। इस रंग की खूबी है कि ये आपको सबसे अलग दिखाता है। ऑलिव ग्रीन शर्ट आपके वॉर्डरोब में जरुर होनी चाहिए। यह कलर लड़कियों को खूब पसंद आता है।

मैरुन कलर

इन रंगों से हटकर आप मैरुन कलर जरुर ट्राई करें। यह रंग हर स्किन टोन पर मैच करता है और आपके लुक को भी काफी स्टाइलिश बनाता है। मैरुन शर्ट को ब्लैक पेंट या जींस के साथ पहन सकते हैं या फिर व्हाइट फॉर्मल पेंट के साथ मैरुन शर्ट एकदम खिल के नजर आती है।

घर में शांति और सुकून के लिए मंदिर में जरूर रखें ये एक चीज, कभी नहीं होगी धन की कमी

घर के मंदिर में शंख रखना वास्तु के अनुसार बहुत ही शुभ माना जाता है। शंख को भगवान विष्णु का प्रतीक माना गया है, और यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने घर के वातावरण को शुद्ध करने और वास्तु दोष को दूर करने में सहायक होता है। आइए जानते हैं घर के मंदिर में शंख रखने के कुछ प्रमुख वास्तु लाभः

सकारात्मक ऊर्जा का संचार

शंख का नियमित उपयोग और इसकी ध्वनि पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में भी सहायक है और घर के वातावरण को शुद्ध रखता है।

धन और समृद्धि का आगमन

घर के मंदिर में शंख रखने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है, जो कि धन और समृद्धि का प्रतीक है। माना जाता है कि शंख बजाने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन का आगमन होता है।

स्वास्थ्य लाभ

शंख बजाने से स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी ध्वनि से शरीर में ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है और मानसिक तनाव कम होता है। यह विशेष रूप से दिल और फेफड़ों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

वास्तु दोष का निवारण

शंख का उपयोग घर के वास्तु दोष को दूर करने में भी किया जाता है। इसे घर के मंदिर में रखने से वास्तु दोषों के प्रभाव में कमी आती है और नकारात्मक प्रभावों से बचाव होता है।

शांति और सुकून का माहौल

शंख की ध्वनि से मन को शांति मिलती है। घर के सदस्य जब इस ध्वनि को सुनते हैं, तो उनका मन शांत होता है और घर का माहौल सुकून भरा रहता है। इससे परिवार में झगड़े और तनाव कम होते हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

शंख का धार्मिक महत्व भी है। पूजा के दौरान इसका उपयोग करने से वातावरण पवित्र होता है और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह आध्यात्मिक ऊर्जा को भी बढ़ाता है और ध्यान लगाने में सहायक होता है।

बुरी नजर और दोषों से सुरक्षा

ऐसा माना जाता है कि शंख बुरी नजर, नकारात्मक ऊर्जा और बुरे प्रभावों से बचाव करता है। इसे घर के मंदिर में रखने से परिवार के सदस्यों की सुरक्षा होती है और जीवन में सुख–शांति बनी रहती है।

वास्तु के अनुसार, घर के मंदिर में शंख रखना और पूजा में इसका उपयोग करना शुभ फलदायक होता है। इसे पूजा के दौरान साफ पानी या गंगाजल से धोकर भगवान के चरणों में रखना चाहिए।

शादियों के सीजन में डायबिटीज कंट्रोल रखने के आसान टिप्स

सर्दी का मौसम आते ही शादियों का सीजन शुरू हो जाता है, और शादी समारोहों में शामिल होने से हमारी दिनचर्या में बदलाव आता है। खानपान में भी गड़बड़ी हो जाती है, जो खासतौर पर डायबिटीज (मधुमेह) वाले लोगों के लिए समस्या पैदा कर सकती है। अगर आप डायबिटीज से परेशान हैं, तो शादियों के दौरान अपने खानपान और दिनचर्या में कुछ छोटे–छोटे बदलाव करके शुगर लेवल को नियंत्रण में रख सकते हैं।

शादी के दिन नाश्ता संतुलित रखें

अगर आप शादी समारोह में जा रहे हैं, तो दिन की शुरुआत एक संतुलित नाश्ते से करें। पनीर, अंडा, दाल, ओट्स और मिलेट्स (जैसे बाजरा, ज्वार) को अपने नाश्ते में शामिल करें। ये खाद्य पदार्थ शरीर को प्रोटीन और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स देते हैं, जो धीरे–धीरे पचते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखते हैं। इससे ब्लड शुगर में अचानक उतार–चढ़ाव नहीं आता और जल्दी–जल्दी भूख भी नहीं लगती।

सही समय पर भोजन करें

शादी वाले दिन तय समय पर ही भोजन करें, ताकि ओवरईटिंग से बच सकें। अगर भूख लगे, तो छोटे–छोटे हिस्से में भोजन करें, ताकि शुगर कंट्रोल में रहे। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करना भी जरूरी है, ताकि आप जान सकें कि आपका शुगर बढ़ रहा है या नहीं।

बुफे में क्या खाएं

जब बुफे में भोजन करें, तो पहले सलाद और कम तेल–मसाले वाली सब्जियां खाएं। यह शरीर को फाइबर देती हैं, जिससे शुगर धीरे–धीरे अवशोषित होती है और ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। फिर प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ जैसे पनीर, दाल आदि खाएं। रोटी और चावल (कार्बोहाइड्रेट) की मात्रा कम रखें। अगर मिठाई खाना चाहें, तो उसे अंतिम समय में बहुत कम मात्रा में खाएं।

पर्याप्त आराम करें

शादी के कार्यक्रमों में थकान और तनाव होना आम बात है, लेकिन यह ब्लड शुगर को असंतुलित कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप बीच–बीच में आराम करें और तनाव से बचें। जब भी मौका मिले, डीप ब्रीदिंग (गहरी सांस) का अभ्यास करें। इससे मानसिक शांति मिलेगी और शुगर कंट्रोल में रहेगा। साथ ही, 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद जरूर लें।

हाइड्रेटेड रहें और एक्टिव रहें

पानी की कमी से भी ब्लड शुगर प्रभावित हो सकता है, इसलिए शादी के दौरान खुद को हाइड्रेटेड रखें। दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं और नारियल पानी या हर्बल चाय जैसे हेल्दी पेय का सेवन करें। मीठे पेय और शराब से बचें, क्योंकि इनसे शुगर बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक्टिव रहने से भी ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। अगर शादी के समारोह में डांस करने का मौका मिले, तो यह एक बेहतरीन एक्सरसाइज हो सकती है। अगर डांस का समय न हो, तो छोटे–छोटे ब्रेक लेकर हल्की–फुल्की वॉक भी कर सकते हैं। शादियों के दौरान खानपान में बदलाव के कारण डायबिटीज के मरीजों को शुगर कंट्रोल करने में मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप ऊपर बताए गए कुछ आसान टिप्स को अपनाएंगे, तो आप शादी समारोहों का आनंद लेते हुए अपनी सेहत का भी ख्याल रख सकते हैं।

दिल्ली–एनसीआर वालों के लिए परफेक्ट वीकेंड स्पॉट! भरतपुर नेशनल पार्क दिलाएगा सुकून

दिल्ली–एनसीआर से वीकेंड ट्रिप के लिए भरतपुर नेशनल पार्क एक शानदार विकल्प है, जहां केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में अक्टूबर से मार्च के बीच रंग–बिरंगे प्रवासी पक्षियों और विविध वन्यजीवों का अद्भुत नजारा मिलता है। यह स्थल शहरी जीवन की भागदौड़ से सुकून और एकांत प्रदान करता है, जिससे परिवार व दोस्तों के साथ प्रकृति का आनंद लिया जा सके।

अगर आप दिल्ली–एनसीआर में रहते हैं और वीकेंड ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। भागदौड़ भरी जिंदगी से परेशान होकर लोग कुछ समय के लिए सुकून की तलाश करते हैं। रोजाना 9 टू 5 जॉब करके हम सभी का माइंड और बॉडी दोनों ही थक जाती है।

अगर आप वीकेंड पर फैमिली और दोस्तों के साथ समय सुकून बिताना चाहते हैं, तो आप भरतपुर बर्ड सेंचुरी एक्सप्लोर करने जरुर जाएं। यहां पर आपको जंगलों के बीच पक्षियों का सुंदर नजारा और एकांत व सुकून का माहौल देखने को मिलेगा।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी जाने का समय

आपको बता दें कि, भरतपुर बर्ड सेंचुरी का असली नाम केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। जो कि भरतपुर जिला राजस्थान में बना हुआ है। वीकेंड के दौरान दिल्ली के आसपास जगहों के लिए ये नेशनल पार्क टॉप पर रहता है। अक्टूबर से लेकर मार्च तक महीने तक यहां समय बीतना बेहद ही खास होता है। इस समय यहां पर लोकल बर्ड के अलावा माइग्रेटेड पक्षी भी आते हैं। यह समय जाने के लिए सबसे बेस्ट है।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी में देखने के लिए क्या–क्या है?

यहां पर आपको प्रवासी पक्षियों में से साइबेरियन सारस, बार हेडेड गीज, पेलिकन और पेंटेड स्टार्क आते हैं। इसके अलावा, लोकल पक्षियों की ढेर सारी वैराइटी भी देखने को मिलती है।

पक्षियों के अतिरिक्त, यहां पर अजगर, मॉनिटर छिपकलियां, कुछ वाइल्ड कैट, गोल्डन सियार, जंगली सुअर, सांभर, हिरण, चितल हिरण भी देखने को मिल जाएंगे। यहां आप कई सारे कछुओं की वैराइटी देख सकते हैं।

भरतपुर में इन जगहों पर घूमें

भरतपुर नेशनल पार्क के अलावा आप यहां पर लोहागढ़ फोर्ट भी टूरिस्ट प्लेस पर घूमने जा सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर, भरतपुर पैलेस और म्यूजियम की सैर कर सकते हैं। भरतपुर में लोकप्रिय गंगा मंदिर अपने अनोखे इतिहास के लिए जाना जाता है। यह लगभग 90 साल पुराना है। यहां पर लक्ष्मण मंदिर और गर्वर्नमेंट म्यूजियम भी देखने के लिए टूरिस्ट जाते हैं।

कैसे पहुंचे भरतपुर

बता दें कि, भरतपुर रेलवे स्टेशन सभी प्रमुख स्टेशनों से पूरी तरह से कनेक्टेड है। दिल्ली से आप भरतपुर ट्रेन पकड़ सकते हैं। दिल्ली से आप बस या फिर प्राइवेट कैब से भी जा सकते हैं। ढाई घंटे में आप यहां आराम से पहुंच जाएंगे।

संक्षिप्त

Lenskart का शेयर बाजार में धमाकेदार डेब्यू, 72,800 करोड़ रुपये का आईपीओ चर्चा में

शेयर बाजार में लेंसकार्ट की एंट्री ने निवेशकों का खासा ध्यान खींचा, लेकिन इसकी शुरुआत उतार–चढ़ाव भरी रही है। शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयरों में 12प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, हालांकि बाद में इसमें सुधार हुआ और यह आईपीओ मूल्य से लगभग 0.3 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ है। बता दें कि लेंसकार्ट, जिसे शार्क टैंक इंडिया के जज और उद्यमी पीयूष बंसल ने स्थापित किया था, ने अपने आईपीओ के जरिए 72.8 अरब रुपये यानी करीब 821 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस आईपीओ को निवेशकों ने जबरदस्त प्रतिक्रिया दी, और यह करीब 28 गुना ज्यादा सब्सक्राइब हुआ। संस्थागत निवेशकों की बड़ी भागीदारी से यह भारत के इस साल के सबसे चर्चित आईपीओ में से एक बन गया है। गौरतलब है कि लेंसकार्ट के शेयर की कीमत इसके पिछले वित्त वर्ष की आय के मुकाबले 238 गुना तय की गई थी, जबकि बीएसई कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी इंडेक्स का औसत मल्टीपल केवल 42 के आसपास है। यही वजह रही कि कुछ वित्तीय विशेषज्ञों ने कंपनी के वैल्यूएशन को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एंबिट कैपिटल ने अपने विश्लेषण में कंपनी पर 'सेल' की रेटिंग देते हुए कहा है कि मौजूदा स्तर पर शेयर कीमत को लंबे समय तक बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वहीं, सोशल मीडिया पर भी इस आईपीओ के ऊंचे मूल्यांकन को लेकर काफी बहस देखने को मिली है। डीएसपी एसेट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड ने सार्वजनिक रूप से अपने निवेश का बचाव करते हुए कहा कि लेंसकार्ट का बिज़नेस मॉडल मजबूत और विस्तार योग्य है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि डील "महंगी" जरूर है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस लिस्टिंग के बाद लेंसकार्ट का मार्केट वैल्यू लगभग 70,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है, जो कोलगेट–पामोलिव इंडिया, यूनाइटेड ब्रेवरीज, पेज इंडस्ट्रीज़ और पीएंडजी की एक भारतीय यूनिट जैसी स्थापित उपभोक्ता कंपनियों से भी अधिक है।

भारत इस समय दुनिया के सबसे सक्रिय आईपीओ बाजारों में से एक बन चुका है, जहां घरेलू निवेशक तेजी से जुड़ रहे हैं और पूंजी जुटाने की गतिविधियां बढ़ रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक भारतीय कंपनियों ने करीब 17 अरब डॉलर के आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाई है। आने वाले समय में ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स और डिजिटल पेमेंट्स कंपनी च्पदम स्ंइे के बड़े आईपीओ भी बाजार में दस्तक देने वाले हैं, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ने की संभावना है।

कुल मिलाकर, लेंसकार्ट की लिस्टिंग ने न केवल भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में चर्चा पैदा की है, बल्कि यह भी दिखाया है कि देश का शेयर बाजार अब वैश्विक निवेशकों के लिए एक मजबूत और आकर्षक विकल्प बनता जा रहा है।

एनसीएलटी ने मारुति सुजुकी इंडिया के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दी

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी की दिल्ली स्थित दो सदस्यीय पीठ ने सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (हस्तांतरणकर्ता कंपनी) और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (हस्तांतरिती कंपनी) की संयुक्त याचिका को मंजूरी दे दी है। पीठ ने विलय योजना के लिए नियत तारीख एक अप्रैल, 2025 प्रस्तावित की है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यह योजना दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों, उनके शेयरधारकों, लेनदारों, कर्मचारियों और सभी संबंधित पक्षों के हित में है, और मौजूदा योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। पीठ ने पाया कि आयकर विभाग और आधिकारिक परिसमापक, अहमदाबाद, ने इस विचाराधीन योजना के संबंध में अपनी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है। इसके अलावा, अन्य वैधानिक प्राधिकरण जैसे आरबीआई, सेबी, बीएसई और एनएसई ने भी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है। पीठ ने कहा, ''उपर्युक्त तथ्यों, विशेष रूप से संबंधित प्राधिकारियों के रुख, और सभी याचिकाकर्ता कंपनियों के सदस्यों और लेनदारों की स्वीकृति पर विचार करने के बाद इस योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा प्रतीत नहीं होती है।'' एनसीएलटी पीठ के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर और सदस्य रवींद्र चतुर्वेदी ने अपने आदेश में कहा, ''ऐसे में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 के तहत याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा प्रस्तावित विलय की योजना को मंजूरी दी जाती है।

गुजरात के खावड़ा में बनेगी देश की सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना, अदाणी समूह ने किया एलान

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप ने मंगलवार को बैटरी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की है। समूह गुजरात के खावड़ा में 1,126 मेगावॉट / 3,530 मेगावॉट–घंटा (डी) क्षमता वाला बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) स्थापित करेगा। यह परियोजना न केवल भारत की सबसे बड़ी, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े एकल–स्थान ऊर्जा भंडारण प्रोजेक्ट्स में से एक होगी। कंपनी के अनुसार, इस अत्याधुनिक सुविधा में 700 से अधिक बैटरी कंटेनर लगाए जाएंगे और इसे मार्च 2026 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। यह यूनिट खावड़ा में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा कॉम्प्लेक्स का हिस्सा होगी। बैटरी स्टोरेज सिस्टम का उद्देश्य सौर और पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक विश्वसनीय बनाना है। यह तकनीक बिजली को तब उपयोग के लिए सहेजती है, जब उत्पादन कम या न के बराबर हो, जैसे रात के समय या कम हवा वाले दिनों में। इससे ग्रिड स्थिरता बढ़ती है, बिजली बिल घटते हैं और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होती है। अदाणी समूह ने बताया कि यह प्रोजेक्ट उन्नत लिथियम–आयन बैटरी तकनीक और एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम के साथ तैयार किया जा रहा है, ताकि बेहतर प्रदर्शन और दक्षता सुनिश्चित हो सके।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुल 16 टेस्ट सीरीज में सिर्फ चार भारत के नाम, प्रोटियाज ने आठ बार मारी बाजी

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। दोनों ही टीमों के लिए विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के लिहाज से यह सीरीज महत्वपूर्ण है। जीत फाइनल के लिए उनका दावा पुख्ता करेगी, जबकि हार से दोनों ही टीमों को नुकसान होगा। भारतीय टीम फिलहाल डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में तीसरे, जबकि टेस्ट चौंपियन दक्षिण अफ्रीका पांचवें स्थान पर है। आइए इस सीरीज की शुरुआत से पहले हम इन दोनों की राइवेलरी के बारे में जानते हैं...

कुल 16 द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेली गईं

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत 1992–93 में हुई थी। तब से अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 16 द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेली जा चुकी हैं। इनमें से भारत ने सिर्फ चार सीरीज जीती हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने आठ बार बाजी मारी है। बाकी चार सीरीज ड्रॉ पर समाप्त हुईं। यह आंकड़े बताते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा अब तक भारी रहा है।

घरेलू जमीन पर भारत का दबदबा

हालांकि, विदेशी यानी दक्षिण अफ्रीकी धरती पर भारत को संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन अपने घर पर टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चारों सीरीज अपने घरेलू मैदान पर जीती हैं। भारत ने अपने जमीन पर दक्षिण अफ्रीका से कुल सात टेस्ट सीरीज खेली हैं और चार जीते हैं। एक में दक्षिण अफ्रीका को जीत मिली और दो सीरीज ड्रॉ रहीं। वहीं, भारत ने दक्षिण अफ्रीका की धरती पर नौ टेस्ट सीरीज खेली हैं। सात सीरीज दक्षिण अफ्रीका की टीम ने जीती और दो सीरीज ड्रॉ रही।

छह साल पहले भारत की पिछली जीत

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1996, 2004, 2015 और 2019 में टेस्ट सीरीज जीती। पिछली बार भारत ने छह साल पहले दक्षिण अफ्रीका को किसी टेस्ट सीरीज में हराया था। अब शुभमन गिल एंड कंपनी के पास इस सूखे को खत्म करने का मौका है। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका को भारत में सिर्फ एक बार (2000 में) सीरीज जीत मिली। तब दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत का सूपड़ा साफ किया था।

द. अफ्रीका के खिलाफ रहना होगा सतर्क

हालांकि, भारत को ज्यादा उत्साहित नहीं होना चाहिए, क्योंकि पिछले साल टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में 3–0 से हार मिली थी। स्पिन पिच ही भारत की हार का कारण बना था। इस हार को फैंस अभी तक नहीं भुला पाए हैं। ऐसे में टीम सावधानी बरतना चाहेगी।

गिल के नेतृत्व में अब तक अच्छा प्रदर्शन

नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम ने हाल फिलहाल में अच्छा प्रदर्शन किया है। इंग्लैंड से 2–2 से सीरीज बराबर करने के बाद भारत ने वेस्टइंडीज को हराया था। टीम अपनी लय को बरकरार रखना चाहेगी।

दोनों टीमों का हाल फिलहाल में प्रदर्शन

वहीं, दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ उसके घर में हाल ही में दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1–1 से बराबर कराई थी। टेस्ट चौंपियंस भी शानदार लय में हैं और उनके पास साइमन हार्मर, सेनुरन मुथुसामी और केशव महाराज के रूप में दुनिया के कुछ बेहतरीन स्पिनर्स मौजूद हैं। ऐसे में भारतीय टीम स्पिन पिच बनाने का रिस्क नहीं उठाना चाहेगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीमरू तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्करम, रेयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेन, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डी जोर्जी, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी, कागिसो रबाडा, साइमन हार्मर।

गेल के 175 रन से लेकर ब्रैडमैन के 99.94 के औसत तक, चार विश्व रिकॉर्ड्स जिनका टूटना असंभव!

नई दिल्ली। क्रिकेट की दुनिया में रिकॉर्ड बनना और टूटना आम बात है, लेकिन कुछ ऐसे आंकड़े हैं जो आज भी अटूट कहलाते हैं। भारतीय क्रिकेट फैंस अक्सर इन रिकॉर्ड्स पर चर्चा करते हैं कि इनमें से कौन सा रिकॉर्ड कभी नहीं टूटेगा। आज हम बात करेंगे उन चार कीर्तिमानों की, जिन्होंने क्रिकेट इतिहास में खुद को अमर कर लिया। डॉन ब्रैडमैन का टेस्ट औसत, क्रिस गेल की तूफानी पारी, रोहित शर्मा की डबल सेंचुरी और सुनील नरेन का सुपर ओवर मेडन।

डॉन ब्रैडमैन का 99.94 का औसतः परफेक्शन की परिभाषा

ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन ने टेस्ट क्रिकेट में 99.94 की औसत से 52 मैचों में 6,996 रन बनाए। यह आंकड़ा आज भी किसी बल्लेबाज के लिए सपना है। आधुनिक युग में 50 की औसत को भी शानदार माना जाता है, ऐसे में ब्रैडमैन का लगभग 'सदी के बराबर औसत' अकल्पनीय है। अगर वे अंतिम पारी में केवल चार रन बना लेते, तो उनका औसत 100 होता, लेकिन किस्मत ने उन्हें परफेक्टली इम्परफेक्ट बना दिया।

क्रिस गेल के 175 रनः टी20 इतिहास की सबसे धमाकेदार पारी

साल 2013 में क्रिस गेल ने आईपीएल में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ सिर्फ 66 गेंदों पर 175' रन ठोक दिए थे। इस पारी में 13 चौके और 17 छक्के शामिल थे। यह रिकॉर्ड आज भी दुनिया के हर टी20 लीग में कायम है। गेल की इस पारी ने साबित किया कि जब यूनिवर्स बॉस फॉर्म में हों, तो गेंदबाज सिर्फ देख सकते हैं। टी20 में 175 रन का आंकड़ा पार करना लगभग नामुमकिन लगता है।

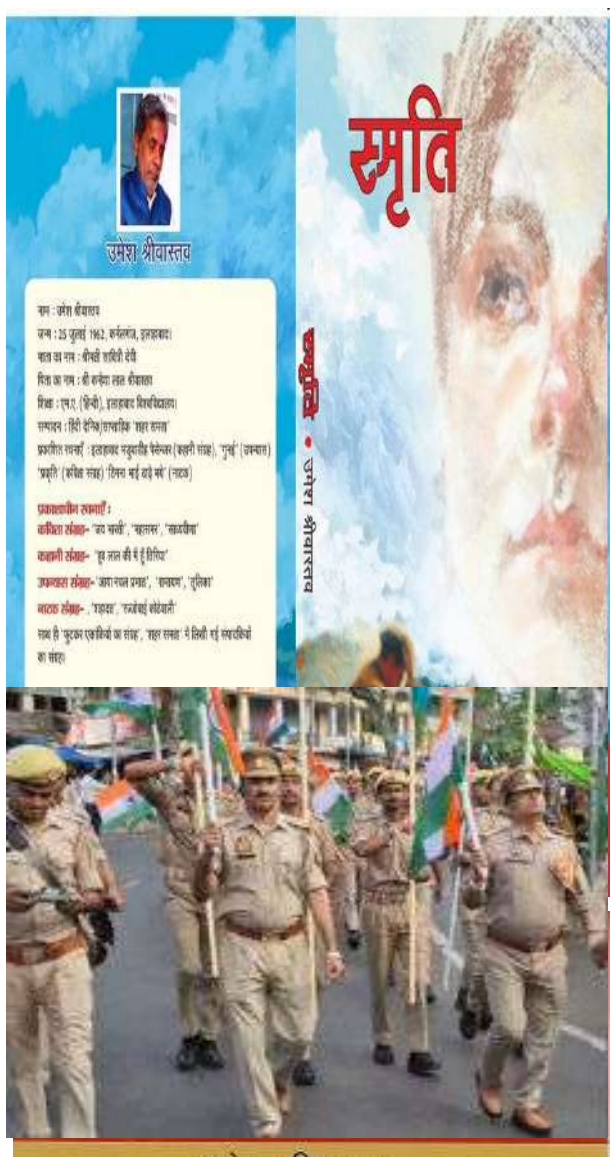

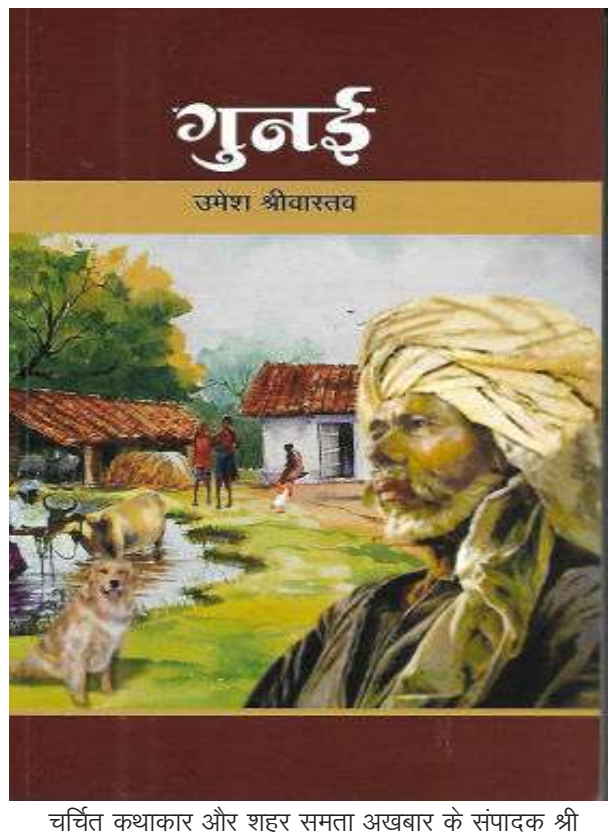

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

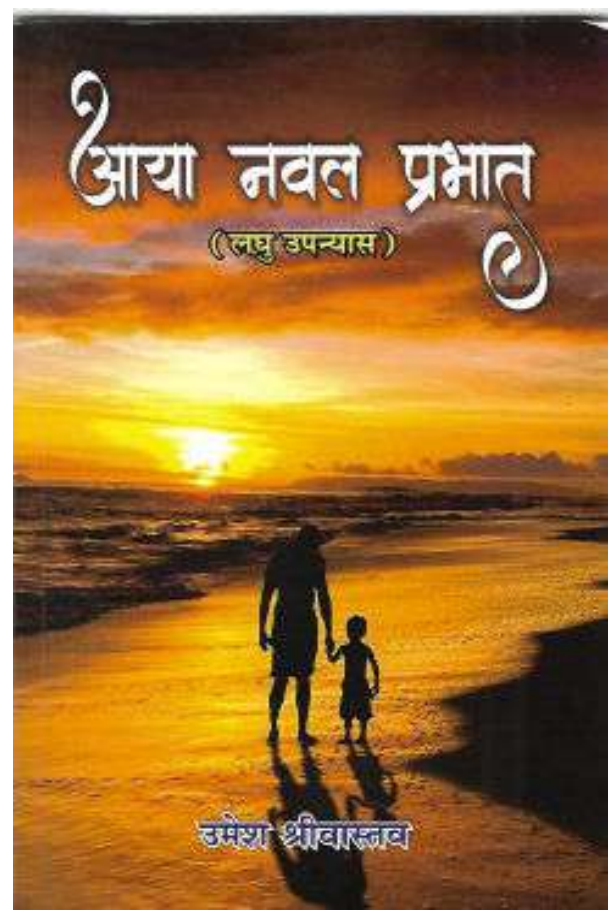

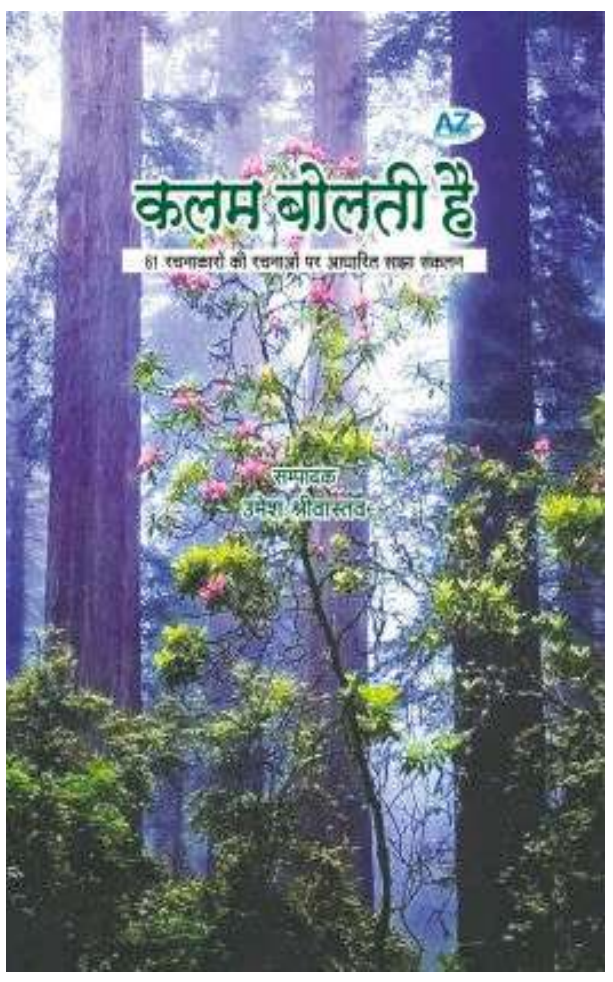

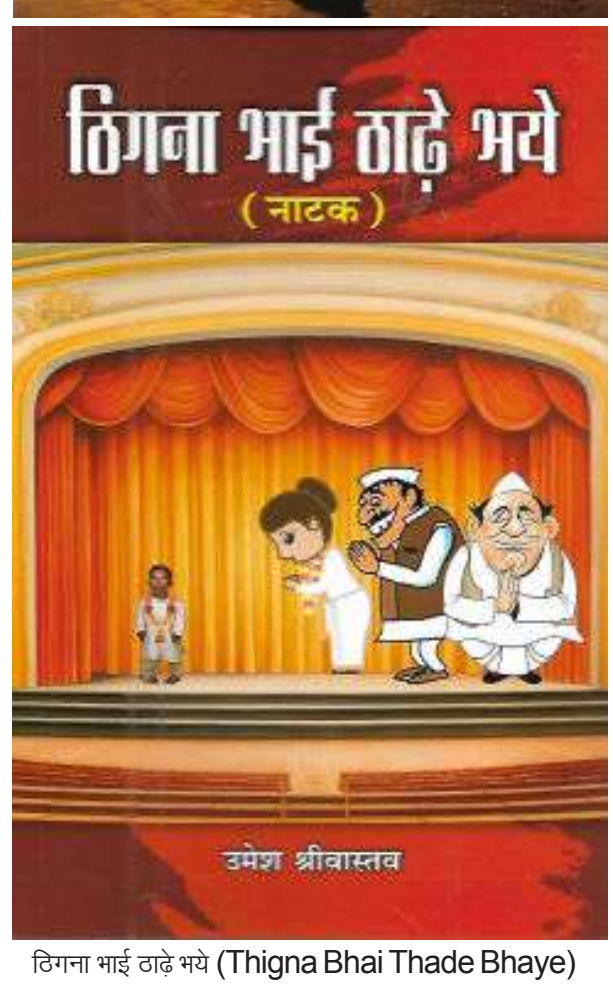

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ घटाएगा अमेरिका ? ट्रंप ने दिए भारत के खिलाफ टैरिफ घटाने के संकेत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ ''न्यायसंगत व्यापार समझौते'' पर पहुंचने के ''काफी करीब'' है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) को ''किसी समय'' कम कर देंगे। ट्रंप ने सोमवार को कहा, ''हम भारत के साथ एक समझौता कर रहे हैं, यह पहले की तुलना में बहुत अलग है। इसलिए अभी वे मुझे पसंद नहीं करते लेकिन वे हमें फिर से पसंद करेंगे।'' उन्होंने ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के नए राजदूत के रूप में शपथ दिलायी। ट्रंप ने भारत को हिंद–प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अमेरिका के ''शानदार'' संबंध हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री मोदी के साथ शानदार संबंध हैं और सर्जियो गोर ने इस रिश्ते को और मजबूत किया है क्योंकि वह पहले से ही

प्रधानमंत्री के साथ दोस्ताना संबंध रखते हैं। जब उन्हें पता चला कि सर्जियो भारत के राजदूत बनने वाले हैं तो वे लगातार संपर्क में रहते थे कि 'आइए, इस व्यक्ति को जानें।' और उन्हें सर्जियो पसंद आए।'' ट्रंप ने कहा, ''हम एक उचित समझौता कर रहे हैं, सिर्फ एक न्यायसंगत व्यापार सौदा। पहले हमारे पास काफी अनुचित व्यापार समझौते थे। भारत के लोग बहुत अच्छे वार्ताकार हैं, सर्जियो, इसलिए इस पर ध्यान रखना होगा।'' उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से कहा, ''लेकिन हम काफ़ी करीब पहुंच चुके हैं। स्कॉट, मेरा मानना है कि हम एक ऐसा सौदा करने के बहुत करीब हैं जो सबके लिए अच्छा होगा।'' इस पर स्कॉट बेसेंट ने जवाब दिया, ''बिल्कुल सही।'' ट्रंप ने कहा, ''पहले क्या (पूर्व राष्ट्रपति जो) बाइडन ऐसा सवाल पूछते? मुझे नहीं लगता। वह पूछते कि 'भारत के साथ क्या स्थिति है?' उन्हें भारत के बारे में कुछ पता नहीं था। खैर, कोई बात नहीं।'' जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह भारत के साथ व्यापार समझौते के तहत शुल्क कम करने पर विचार करेंगे, तो उन्होंने कहा, ''अभी भारत पर बहुत ऊंचे शुल्क हैं क्योंकि उन्होंने रूसी तेल खरीदा था। लेकिन अब उन्होंने रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। रूसी तेल की खरीद में काफी कमी आई है। हां, हम जल्द ही इन शुल्कों को कम करने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी समय हम इन्हें कम करेंगे। बिना शुल्क के हमारा देश बहुत मुश्किल में पड़ जाएगा, जैसे कि पहले कई सालों तक रहा था।'' भारत और अमेरिका के संबंध हाल के महीनों में तनावपूर्ण रहे हैं क्योंकि ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाया था जिनमें रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क शामिल है। भारत ने इस कदम को ''अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यावहारिक'' बताते हुए कहा था कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित पर आधारित है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर अब तक पांच दौर की वार्ताएं पूरी हो चुकी हैं। पिछले महीने नयी दिल्ली में एक अधिकारी ने बताया था कि दोनों देश इस समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं, क्योंकि अधिकतर मुद्दों पर दोनों पक्षों की सहमति बन चुकी है। अधिकारी ने कहा था कि अब दोनों देश समझौते के शब्दों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। ट्रंप ने कहा कि सर्जियो भारत में शानदार काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत–अमेरिका के बीच संबंध ''बेहद महत्वपूर्ण'' हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती मध्यवर्गीय आबादी वाला देश है और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''यह वाकई एक अद्भुत देश है, 1.5 अरब की आबादी वाला। चीन के पास 1.4 अरब लोग हैं। ये दो बड़े देश हैं। राजदूत के रूप में सर्जियो हमारे देशों के रिश्ते को मजबूत करने, प्रमुख अमेरिकी उद्योगों और तकनीकों में निवेश बढ़ाने, ऊर्जा निर्यात में वृद्धि करने और सुरक्षा सहयोग का विस्तार करने के लिए काम करेंगे।'' अक्टूबर में अमेरिकी सीनेट ने गोर की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। अगस्त में ट्रंप ने उन्हें भारत के अगले राजदूत और दक्षिण तथा मध्य एशिया मामलों के विशेष दूत के रूप में नामित किया था।

संक्षिप्त

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर कनाडा दौरे पर पहुंचे, जी7 समिट में होंगे शामिल

विदेश मंत्री एस जयशंकर कनाडा के ऑटारियो में होने वाली विदेश मंत्रियों की जी7 बैठक में शामिल होंगे। कनाडा सरकार की ओर से सोमवार को आधिकारिक बयान में इस बैठक में शामिल होने वाले देशों को लेकर जानकारी दी गई है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने इस बयान में जानकारी दी कि ळ7 सदस्य देशों के अलावा, आउटरीच देशों के विदेश मंत्री इस समिट में हिस्सा लेंगे। इनमें ऑस्ट्रेलिया,

ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया और यूक्रेन के विदेश मंत्री शामिल है। सम्मेलन ओंटारियो के नियाग्रा में 11–12 नवंबर को होगा। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इस यात्रा के दौरान भारत और कनाडा के विदेश मंत्रियों के बीच मुलाकात हो सकती है। बता दें कि पिछले महीने ही आनंद भारत दौरे पर थी। अलगाववादी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद, दोनों देशों के पटरी से उतरे रिश्तों के बाद किसी कनाडाई मंत्री की ये पहली हाई प्रोफाइल भारत यात्रा थी। इस यात्रा के दौरान देशों के बीच रिश्तों का एक नया रोडमैप कायम हुआ। भारत सरकार टूडो के कार्यकाल के वक्त से ही कहती रही है कि वहां अलगाववादी तत्वों को राजनीतिक स्पेस दिया जा रहा है। इसके अलावा माना जा रहा है कि अगर पीएम मोदी इस महीने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में होने वाली ळ20 समिट में शामिल होते हैं तो उनकी कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के साथ मुलाकात हो सकती है। पटरी पर आ रहे रिश्तों में एक चुनौती भीः सितंबर 2023 के बाद से दोनों देशों के रिश्ते बेहद खराब दौर से गुजरे हैं। हालांकि इस साल की शुरुआत में कनाडा में राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव के बाद से संबंध धीरे–धीरे पटरी पर आना शुरू हुए है। लेकिन इसके बावजूद कनाडा में अलगाववादी घटनाएं बदस्तूर जारी हैं।

दिल्ली के बाद अब पाकिस्तान के इस्लामाबाद हाईकोर्ट के पास कार में भीषण बम धमाका, 12 लोगों की मौत

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मंगलवार को एक अदालत के बाहर आत्मघाती विस्फोट होने से 12 लोगों की मौत हो गयी।पाकिस्तान टीवी ने यह जानकारी दी। 'डॉन' अखबार के अनुसार यह धमाका जी–11 क्षेत्र में जिला एवं सत्र अदालत के समीप हुआ। विस्फोट में कई लोग घायल हुए हैं। विस्फोट में अदालत के बाहर खड़े कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। घायलों में ज़्यादातर वे लोग थे जो सुनवाई के लिए अदालत आए थे। अदालत परिसर के बाहर आमतौर पर आगंतुकों की भीड़ रहती है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि वाहन के अंदर एक गैस सिलेंडर फट गया होगा, लेकिन समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, पुलिस ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। विस्फोट के प्रत्यक्षदर्शियों ने एक तेज़ धमाके की आवाज़ और उसके बाद मची अफ़रा–तफ़री को याद किया। रुस्तम मलिक नाम के एक वकील ने कथित तौर पर समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि जब वह अपनी कार पार्क कर रहे थे, तब उन्होंने धमाका सुना। मलिक ने कहा कि वहाँ पूरी तरह अफ़रा–तफ़री मची हुई थी, वकील और लोग परिसर के अंदर भाग रहे थे। मैंने गेट पर दो लाशें पड़ी देखीं और कई कारों में आग लगी हुई थी। इस्लामाबाद में यह विस्फोट उस घटना के एक दिन बाद हुआ है जब पाकिस्तानी सेना ने अफ़ग़ान सीमा के पास ख़ैबर पख़्तूनख़्वा के वाना शहर में एक सैन्य कॉलेज में कैडेटों को बंधक बनाने की आतंकवादियों की कोशिश को कथित तौर पर नाकाम कर दिया था। एपी के अनुसार, एक आत्मघाती कार हमलावर और पाँच अन्य पाकिस्तानी तालिबान आतंकवादियों ने रात भर चले हमले में इस कॉलेज को निशाना बनाया। वाना को लंबे समय से पाकिस्तानी तालिबान, अल–क़ायदा और अन्य चरमपंथी समूहों का गढ़ माना जाता रहा है।

8 डेमोक्रेट सांसदों ने बचा लिया अमेरिका! 40 दिन बाद सरकार पर पड़ा ताला खुलेगा

अमेरिका में पिछले 40 दिनों से चल रहा शटडाउन अब समाप्त होने की दिशा में बढ़ रहा है। अमेरिकी सेनेट ने एक दलीय सहमति वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जो अब प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में विचार के लिए भेजा गया है। इस बिल के तहत ज्यादातर संघीय एजेंसियों को जनवरी तक फंडिंग दी जाएगी और शटडाउन से प्रभावित कर्मचारियों को बकाया वेतन (बैक पे) देने की गारंटी होगी।

यह समझौता पिछले सप्ताह के अंत में डेमोक्रेटिक सीनेटर जीन शाहीन और मैगी हसन (न्यू हैम्पशायर) ने रिपब्लिकन नेता जॉन थ्यून और वाइट हाउस प्रतिनिधियों के साथ मिलकर तैयार किया। कम से कम आठ डेमोक्रेट सेनेटरों ने अपनी पार्टी लाइन हटकर इस बिल का समर्थन किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

कंबोडिया और थाईलैंड में फिर छिड़ेगी जंग ? थाई सेना ने रद्द किया ट्रंप का शांति समझौता

बैंकॉक। थाईलैंड की सेना ने मंगलवार को कंबोडिया पर विवादित सीमा क्षेत्र में नई बारूदी सुरंगें बिछाने का आरोप लगाया। थाईलैंड ने दावा किया कि इन बारूदी सुरंगों के चलते उसके कई सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। सीमा पर लैंडमाइन्स बिछाए जाने को थाईलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रस्तावित शांति समझौते का उल्लंघन बताया। थाईलैंड की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवारी ने बयान जारी करते हुए कहा कि फोरेंसिक अधिकारियों ने सोमवार (10 नवंबर,2025) को कंथारलक जिले में बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र की जांच–पड़ताल की। इस दौरान अधिकारियों को धमाके से बना एक गड्ढा और तीन अन्य बारूदी सुरंगों का

पता चला।

सीमा पर गश्त के दौरान 4 थाई सैनिक घायल

थाई सेना की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया था कि सीमा पर गश्त करने के दौरान लैंडमाइन पर पैर पड़ने की वजह से चार सैनिक घायल हो गए। इनमें से एक सैनिक ने अपना पैर भी गंवा दिया। बैंकॉक पोस्ट के मुताबिक मेजर जनरल विनथाई ने कहा, इस तरह की घटना संघर्ष को कम करने में कंबोडिया के दोहरे रवैये को दर्शाता है। ये शत्रुता को भी दर्शाता है, जो संयुक्त रूप से माने गए समझौते का भी उल्लंघन है।

कंबोडिया ने आरोपों को किया खारिज

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार की देर रात थाईलैंड के आरोपों को खारिज कर दिया। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि कंबोडिया के गृह युद्ध के दौरान की एक पुरानी बारूदी सुरंग में धमाके की वजह से सोमवार को थाई सैनिक घायल हुए। कंबोडिया की ओर से कहा गया कि उसकी ओर से सीमा पर कोई भी नई लैंडमाइंस नहीं बिछाई गई हैं, जो आम नागरिकों के लिए खतरा बनें।

थाईलैंड पर कंबोडिया ने जड़ा ये आरोप

कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय ने शांति समझौते की शर्तों और जेनेवा कन्वेंशन का सख्ती से पालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय ने थाईलैंड की ओर से कंबोडिया के साथ तमाम गतिविधियां सस्पेंड करने पर भी चिंता जताई। इसमें विवादित सीमा क्षेत्र से बड़े हथियारों को हटाने और कंबोडियाई युद्धबंदियों को छोड़े जाने पर सहमति बनी थी।

भारत ने खुद...Delhi Red Fort Blast पर पाकिस्तान चलाने लगा प्रोपोगैंडा

दिल्ली में लाल किला के सामने हुए कार धमाके पर विदेशी मीडिया से भी रिएक्शन सामने आने लगे हैं। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर एक धीमी गति से चलती कार में हुए उच्च तीव्रता वाले विस्फोट के बाद

हुआ, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए और 25 से अधिक घायल हो गए। इस घटना के बाद दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य और शहरों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। वर्ल्ड मीडिया लाल किला ब्लास्ट को प्रमुखता से कवर कर रहा है। पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने लिखा है कि हादसे में आठ लोगों की जान गई। 20 घायल है और धमाके की वजह का अब तक पता नहीं चला है। लेकिन मीडिया से अलग पाकिस्तान के सोशल मीडिया पर एक अलग प्रोपेगेंडा देखने को मिल रहा है। कुछ पाकिस्तानी यूज़र्स लिख रहे हैं कि यह धमाका भारत ने खुद कराया है। हैदर हाशमी नाम के एक यूजर ने दावा किया है कि पाकिस्तानी मीडिया ने पहले ही बता दिया था कि दिल्ली में धमाका होने वाला है। बांग्लादेशी मीडिया ने भी इसे लेकर खबर छापी है। लाल किले धमाके को लेकर वह पिछले शाम से ही बातें कर रहा है। डेल स्टार ने शुरुआती जानकारी देते हुए लिखा था कि दिल्ली पुलिस आतंकी साजिश या तकनीकी खराबी दोनों ही संभावनाओं से इंकार नहीं कर रही है। मामले की जांच क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल की टीम को सौंप दिया गया है। कुल मिलाकर कहे तो वर्ल्ड मीडिया लगातार दिल्ली लाल किला विस्फोट को लेकर खबरें छाप रहा है। दुनिया भर के लीडर्स और भारत में मौजूद दूतावास इस घटना पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें उनसे लाल किला और चांदनी चौक के आसपास के क्षेत्रों से बचने, बड़ी भीड़ से दूर रहने और आगे की अपडेट के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर रखने का आग्रह किया गया है।

गाजा पट्टी पर संघर्ष विराम के बाद लाल सागर में हूतियों ने हमले रोके, इस्राइल को लेकर कही ये बात

यमन के हूती विद्रोहियों ने संकेत दिया है कि उन्होंने इस्राइल और लाल सागर में जहाजों पर अपने हमले रोक दिए हैं, क्योंकि गाजा पट्टी में संघर्ष विराम लागू है। हूती गुट ने सोमवार देर रात हमास की कसम ब्रिगेड को लिखे एक पत्र में यह संकेत दिया कि उनकी सैन्य कार्रवाई फिलहाल थमी है। पत्र में कहा गया, "हम घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहे हैं और घोषणा करते हैं कि अगर दुश्मन ने गाजा पर फिर से आक्रमण शुरू किया, तो हम जायनिस्ट सत्ता के भीतर गहराई तक अपनी सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करेंगे और लाल सागर के साथ अरब सागर में इस्राइली नौवहन पर प्रतिबंध फिर से लागू करेंगे।" हालांकि, हूतियों ने अभी तक औपचारिक रूप से यह स्वीकार नहीं किया है कि उनका अभियान पूरी तरह से समाप्त हो गया है।

दिल्ली ब्लास्ट के बीच अमेरिका ने जारी की बड़ी एडवाइजरी, कर दिया ये ऐलान!

नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें उनसे लाल किला और चांदनी चौक के आसपास के क्षेत्रों से बचने, बड़ी भीड़ से दूर रहने और आगे की अपडेट के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर रखने का आग्रह किया गया है। यह विस्फोट सोमवार शाम को दिल्ली

में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर एक धीमी गति से चलती कार में हुए उच्च तीव्रता वाले विस्फोट के बाद हुआ, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए और 25 से अधिक घायल हो गए। दूतावास ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने, अपने आस–पास के वातावरण के प्रति सजग रहने और राष्ट्रीय राजधानी के बाज़ारों, परिवहन केंद्रों और अन्य सार्वजनिक स्थानों सहित उन जगहों पर सावधानी बरतने की सलाह दी है जहाँ अक्सर पर्यटक आते हैं।

अमेरिकी दूतावास ने दी अपने नागरिकों को सलाह

दिल्ली में लाल किले और चांदनी चौक के आसपास के इलाकों से बचें।

भीड़भाड़ से बचें।

अपडेट के लिए स्थानीय मीडिया पर नज़र रखें।

अपने आस–पास के वातावरण के प्रति सजग रहें।

पर्यटकों द्वारा अक्सर देखी जाने वाली जगहों पर सतर्क रहें।

स्थिति पर कड़ी नज़र

दिल्ली में लाल किले के पास हुए घातक विस्फोट पर संवेदना व्यक्त करते हुए, अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है। विदेश विभाग के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोमवार को एक पोस्ट में कहा कि नई दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएँ हैं। हम स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदनाएँ। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।

सीमा पार से आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी के पीड़ित, भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सख्त लहजे में कहा कि देश लंबे समय से सीमा पार से आने वाले आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी का शिकार रहा है। भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर हमला करते हुए कहा कि अब ड्रोन के जरिए भी हथियार भारत में भेजे जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने 'स्मॉल आर्म्स' पर खुले विचार–विमर्श के दौरान कहा कि न्छैब् को ऐसे हथियारों की आवाजाही और इस्तेमाल को बढ़ावा देने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनानी चाहिए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।